जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, रविवार 2 नवम्बर, 2025

विचार बिन्दु

जब तुम्हारे पड़ौसी के घर में आग लगी हो,
तो तुम्हारी संपत्ति पर भी खतरा है। –होरेस

प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी का सिद्धांत आयुर्वेद के महर्षि वैज्ञानिकों की देन है

वर्ष 2018 में भारत और अमेरिका के वैज्ञानिकों द्वारा प्रकाशित साझा शोध के अनुसार वर्ष 1990 से 2016 के मध्य के 26 वर्षों में भारत में हृदय रोग से होने वाली मौतों में 34 प्रतिशत बढ़त हुई है, जबकि अमेरिका में यह दर 40 प्रतिशत कम हुई है। जर्नल ऑफ़ दि अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी (72.1:79-95, 2018) में प्रकाशित इस अध्ययन से ज्ञात होता है कि वर्ष 2016 में भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रमशः इन बीमारियों के कारण अनुमानित 62.5 और 12.7 मिलियन वर्ष का जीवनकाल नष्ट हुआ। इनमें इस्चेमिक हार्ट डिजीज और स्ट्रोक 15 से 20 प्रतिशत मृत्यु के लिये जिम्मेवार हैं। भारत में प्रत्येक एक लाख जनसंख्या में 5,681 लोग कार्डियोवैस्कुलर बीमारी से पीड़ित हैं। कुल संख्या के रूप में देखें तो भारत में 54.6 मिलियन लोग कार्डियोवैस्कुलर बीमारी से पीड़ित हैं, जो अमेरिका के 33.6 मिलियन लोगों की तुलना में 70 प्रतिशत ज्यादा है।

ऐसी दशा में हम यह सोचने के लिये मजबूर हो रहे हैं कि क्या भारत में एलोपैथी को दीर्घकाल से 97 प्रतिशत बजट देने के बावजूद भारत की यह दुर्दशा रोकी जा सकती है? इसका उत्तर केवल आयुर्वेद में उपलब्ध है। दरअसल, प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी का विश्व में सबसे प्राचीन सिद्धांत आयुर्वेद में उपलब्ध है। यह सिद्धांत भारत को इस समस्या से निजात दिला सकने में तीस शताब्दियों बाद आज भी यथावत समीचीन और उपयोगी है। आज की संक्षिप्त चर्चा इसी पर आधारित है।

आश्चर्य की बात यह है कि प्राचीन भारत के महर्षि-वैज्ञानिक आचार्य चरक ने, महर्षि-वैज्ञानिक भगवान आत्रेय द्वारा अपने शिष्य महर्षि-वैज्ञानिक आचार्य अग्निवेश के बताये गये जिन पांच तरीकों से हृदय रोग से बचने का सिद्धांत चरकसंहिता में दिया, उनमें कम से कम 3000 साल गुजर जाने और पिछले 150 साल से बायोमेडिकल साइंस की भारी शोध के बावजूद कोई बड़ा परिवर्तन नहीं आया (च.सू.30.13-14): तन्महत् ता महामूलास्तच्चोजः परिरक्षता। परिहार्या विशेषेण मनसो दुःखहेतवः।। हृद्यं यत् स्याद्यदौजस्यं स्त्रोतसां यत् प्रसादनम्। तत्तत् सेव्यं प्रयत्नेन प्रशमो ज्ञानमेव च।। ध्यान दीजिये, ये दो सूत्र भारत में उन 54.6 मिलियन लोगों को कार्डियोवैस्कुलर बीमारी में फंसने से बचा सकते थे, जो आज इस रोग से पीड़ित हैं। उपरोक्त सूत्र यह स्पष्ट करते हैं कि हृदय, उससे निकालने वाली धमनियों और हृदय में स्थित ओज की भली प्रकार रक्षा करने के लिये प्रतिबद्ध व्यक्ति को मानसिक दुखों के कारणों को विशेष रूप से छोड़ देना चाहिये। जो हृदय के लिये हितकारी, जो ओज के लिये हितकर हो, जो स्त्रोतस को अवरुद्ध होने से बचाने वाला हो, ऐसे सब आहार-विहार के साथ-साथ शांति एवं यथार्थज्ञान का प्रयत्नपूर्वक सेवन करना चाहिये।

इन सूत्रों के अर्थ, अर्थार्थ और व्याख्या बहुत विस्तृत है। फिर भी, पक्की तौर पर प्राणों को बढ़ाने वालों में सबसे बढ़िया एक, बल को बढ़ाने वालों में एक, शरीर का वर्धन करने वालों में एक, समृद्धि करने वालों में एक, मन को हर्षित करने वालों में एक और अयनों में एक कारक सर्वश्रेष्ठ होता है। इनमें प्राणियों के प्राणों को बढ़ाने वाले कारकों में सर्वश्रेष्ठ अहिंसा, बल को बढ़ाने वालों में वीर्य अर्थात शुक्र, शरीर का वर्धन करने वाले कारकों में विद्या, समृद्धि करने वाले कारकों में इन्द्रियजय अर्थात इन्द्रियों को कब्जे में रखना, हर्ष देने वाले कारकों में तत्वज्ञान और मार्गों में ब्रम्हचर्य को आयुर्वेद के विद्वान सबसे श्रेष्ठ मानते हैं (च.सू.30.15): अथ खल्वेकं प्राणवर्धनानामुत्कृष्टतममेकं बलवर्धनानामेकं बृंहणानामेकं नन्दनानामेकं हर्षणानामेकमयनानामिति । तत्राहिंसा प्राणिनां प्राणवर्धनानामुत्कृष्टतमं, वीर्यं बलवर्धनानां, विद्या बृंहणानाम्, इन्द्रियजयो नन्दनानां, तत्त्वावबोधोहर्षणानां, ब्रह्मचर्यमयनानामिति; एवमायुर्वेदविदो मन्यन्ते।।

आश्चर्य की बात यह है कि भाषा तो भिन्न है, किन्तु इनको यदि आप एक-एक करके देखें तो आधुनिक हृदयरोग-विज्ञानियों द्वारा प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी की जो सलाह दी जाती है, उनमें और इन प्राचीन सिद्धांतों में कोई अंतर नहीं है। उदाहरण के लिये, परिहार्या विशेषेण मनसो दुःखहेतवः की सलाह से यह साफ़ हो जाता है कि मन को दुखी करने वाले तमाम कारकों से अपने आप की रक्षा करनी चाहिये। आज स्थिति बिल्कुल स्पष्ट है कि निरंतर या बार-बार गुस्सा, लालच, चिंता, हबड़-दबड़, स्ट्रेस, एंग्जाइटी या इसी तरह की मानसिक समस्याओं के कारण या मानसिक दबाव के कारण हृदय रोग की पैथोजेनेसिस हो सकती है। दूसरा उदाहरण हृदय को बल देने वाली औषधियों व आहार के सेवन की सलाह के सन्दर्भ में है। यहां पर बल वर्धन के सम्बन्ध में सभी छः रसों से युक्त भोजन करना बलवर्धक होता है और इस प्रकार के लोगों के बीमार होने की गुंजाइश कम होती है। आधुनिक विज्ञान भी यही कहता है कि आपके भोजन में कम से कम तीन या चार सर्विंग्स फलों और एक-दो मुट्ठी ड्राई फ्रूट्स या सूखे मेवे होने चाहिये। सब रसों से युक्त भोजन में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स, विटामिन्स, फैट, मिनरल्स, फाइबर्स, जल आदि सब मिल जाते हैं।

आहार या भोजन और पेय पदार्थ के संबंध में एक सलाह यह है कि हमारे कुल आहार का एक तिहाई फलों के रूप में होना चाहिये। सभी फलों को भोजन के आरंभ में खाया जाना चाहिए, भोजन के तुरंत बाद नहीं। केवल एक ही प्रकार का फल भी सदैव नहीं होना चाहिये, हालांकि अनार, मुनक्का और आमला सदैव खाये जा सकते हैं।

बढ़ती उम्र में कौन से खाद्य पदार्थ हृदय को रोगरहित रख सकते हैं? इस सन्दर्भ में आपको अपने आयुर्वेदाचार्यों से सलाह लेना उपयोगी रहेगा। पर सामान्यतया ऐसी गायों का दूध व घी जो वनों में चराई से अपना आहार प्राप्त करती हैं, उत्तम होता है। गुड-हरीतकी या घी में भुने हुये लहसुन का नित्य भी सेवन उपयोगी हो सकता है। बहुत अधिक दारू पीने से दिल का रोग होता है (च.सू.17.32): उष्णाम्ललवणक्षारकटुकाजीर्णभोजनैः। मद्यक्रोधातपैश्चाशु हृदि पित्तं प्रकुप्यति।। क्लिनिकल ट्रायल में पाया गया है कि मोटे लोगों में भी आँवला दिल की बीमारी का खतरा कम कर देता है। वयोवृद्ध लोगों में योग शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक स्थित में बेहतरी एवं ओज में वृद्धि करता है। इसी प्रकार आयुर्वेदिक पंचकर्म चिकित्सा पर क्लिनिकल ट्रायल के परिणाम बताते है कि यह हृदय रोग को ठीक करता है और स्वस्थ व्यक्तियों को बीमार होने से बचाता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें सात रक्षा कवचों के सिद्धांत को नहीं भूलना चाहिये जो हमारे स्वास्थ्य और रुग्णता के बीच मौजूद हैं। ये सात दीवारें आहार, विहार या जीवनशैली, स्वस्थवृत्त या व्यक्तिगत स्वास्थ्य से जुड़े आचरण, सद्वृत्त या व्यक्तिगत सदाचरण, रसायन या उम्र-आधारित रोगजनन को रोकने हेतु कायाकल्प उपाय, पंचकर्म या शारीरिक विषाक्तता को बाहर करने के लिये आयुर्वेद की पांच प्रक्रियायें और औषधि या चिकित्सा हैं।

दरअसल तीन कारक हैं जो सभी बीमारियों को जन्म देते हैं-जीवन में हमारे द्वारा की जाने वाली बौद्धिक त्रुटियां, इन्द्रियों का असंतुलित उपयोग और समय का प्रभाव-ये तीनों सभी प्रकार के विकारों का कारण हैं। यदि हम त्रुटियाँ न करें, बुद्धि, इंद्रियों और समय का संतुलित उपयोग करें तो तमाम तरह की बीमारियों से बचाव संभव है। त्रिदोष (मूल सिद्धांत जो शरीर की फिजियोलोजी को सम्हालते हैं), अग्नि (चयापचय और पाचन तंत्र), धातुयें (शरीर के ऊतक), मलक्रिया (अपशिष्ट उत्पादों का उत्सर्जन) बराबर काम करते हैं, औरआत्मा, मन और इन्द्रियाँ प्रसन्न रहती हैं, तो हम मान सकते हैं कि हम स्वस्थ हैं। हृदयरोग को रोकने के लिये उपयुक्त आहार, विहार (जीवनशैली, व्यायाम, नींद इत्यादि), सद्वृत्त (व्यक्तिगत आचरण का कोड), स्वस्थ्यवृत (व्यक्तिगत स्वास्थ्य का कोड), रसायन (वयःस्थापक और कायाकल्प), पंचकर्म (शारीरिक विषाक्तता को बाहर करने के लिये आयुर्वेद की पांच प्रक्रियायें) और औषधि (चिकित्सा) उपयोगीहैं।

आहार या भोजन और पेय पदार्थ के संबंध में एक सलाह यह है कि हमारे कुल आहार का एक तिहाई फलों के रूप में होना चाहिये। सभी फलों को भोजन के आरंभ में खाया जाना चाहिए, भोजन के तुरंत बाद नहीं। केवल एक ही प्रकार का फल भी सदैव नहीं होना चाहिये, हालांकि अनार, मुनक्का और आमला सदैव खाये जा सकते हैं। आयुर्वेदिक खाद्य पदार्थों में से कई बहुआयामी हैं:- उदाहरण के लिए खजूर, अंगूर, किशमिश, बादाम, तिल, आमलकी, लहसुन, अदरक, काली मिर्च, हल्दी, केसर, जीरा, धनिया, शहद, गाय का दूध, गाय का घी, गुड़ और त्रिफला आदि। यदि इन्हें उचित तरीके से लिया जाता है, तो वे फ्री-रेडिकल्स की सफाई और ऑक्सीडेटिव-तनाव में कमी में लाने में सहायता करते हैं। ये दर्द को कम करते हैं। ये भोजन, रसायन और औषधि सब कुछ एक में हैं। ये सुपर-फ़ूड हैं तथा स्वास्थ्यकर हैं। भोजन तब ही लिया जाना चाहिये जब भूख लगी हो अर्थात जब पहले खाया हुआ खाना पूरी तरह से पच गया हो।

निद्रा अच्छे स्वास्थ्य के तीन स्तंभों में से एक है। रात के दौरान न्यूनतम 7 घंटे नींद लें। लेकिन 8 घंटे से अधिक समय तक नहीं सोना चाहिये। दिन के दौरान सोना हानिकारक है। किसी कारण से थक जाने या बीमार होने पर दिन में सोया जा सकता है। स्वस्थ आयु के लिये आयुर्वेद स्वयं की देखभाल करने हेतु दिनचर्या सुझाता है। हमें योग-आसन, प्राणायाम और ध्यान-में भी प्रतिदिन निवेश करना चाहिये। सप्ताह में कम से कम 150 मिनट व्यायाम में भी निवेश करना चाहिये। ऊतकों या धातुओं के पोषण व शक्ति के लिये पंचकर्म या शुद्धि और कायाकल्प बहुत उपयोगी है। इसी तरह रसायन भी आयुर्वेद के चमत्कार हैं जो दीर्घायु, स्मृति, बुद्धिमत्ता, बीमारी से लड़ने की क्षमता, शरीर की चमक, रंग और आवाज, शक्ति, वाणी, आदि तमाम लाभ प्रदान करते हैं। रसायन शरीर की कोशिकाएं और ऊतकों को उत्कृष्ट स्थिति में रखते हैं। रसायन आज तक ज्ञात सर्वोत्तम और सुरक्षित एंटीऑक्सीडेंट हैं।

हृदय की रक्षा कीजिये, क्योंकि प्राणों की रक्षा हृदय की रक्षा के बिना संभव नहीं है। यहाँ तक किसी को दिल देने के लिये भी दिल का स्वस्थ होना जरूरी है। आयुर्वेद की मदद से दिल को स्वस्थ रखिये। इस पर अगले सप्ताह चर्चा को आगे बढ़ायेंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

सत्ता चरित्रम् ....
भगत सिंह का मुकदमा – 1

रामनिवास बैरवा

08 अप्रेल, 1929 को सेन्ट्रल लेजिस्लेटिव असेम्बली जिसे आज संसद भवन कहते हैं..... में भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने कम शक्ति के बम खाली कुर्सियों की तरफ नीचे से लुढ़का दिये, विस्फोट हुआ, किसी को शारीरिक नुकसान नहीं हुआ। दोनों ने अंग्रेजी में लिखे, चन्द्रशेखर आजाद के छदम् नाम बलराज के नाम से छपे पर्चे फेंके और 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारे लगाते हुए भवन के बाहर आये। उन्हें अपनी गिरफ्तारी देनी थी, दोनों ने आत्मसमर्पण कर दिया, पुलिस उन्हें गाड़ी में बैठाकर ले गई।

मोहनदास गांधी ने असेंबली बम कांड पर तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए भगतसिंह और बटुकेश्वर दत्त के उस काम की कडी आलोचना की, लेकिन जेल में भगतसिंह इससे प्रसन्न थे कि राजनीतिक संदेश राष्ट्रीय नेताओं तक पहुंच गया।

अदालत में उस बम कांड की प्राथमिक जांच मई, 1929 में प्रारम्भ हुई और जून के प्रथम सप्ताह में नियमित कार्रवाई शुरू हुई। उन पर आरोप लगाया गया था "जीवन को खतरे में डालने की तरह का गैरकानूनी और दुर्भावना से प्रेरित होकर बम विस्फोट किया।" बटुकेश्वर दत्त की पैरवी वकील आसिफ अली ने की थी, जबकि भगतसिंह ने अपनी पैरवी खुद की थी।

अब, भगतसिंह पर दो मुकदमे एक साथ चल रहे थे। 06 जून, 1929 को दिल्ली के सेशन जज मिस्टर लियोनार्ड मिडिल्टन की अदालत में भगतसिंह और बटुकेश्वर दत्त ने एक लम्बा बयान दिया, जिसमें कई बातों का क्रमशः खुलासा किया गया था–

" ...."

"हमारे ऊपर गम्भीर आरोप लगाये गये हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि हम भी अपनी सफाई में कुछ शब्द कहें। हमारे कथित अपराध में निम्नलिखित प्रश्न उठते हैं–

"(1) क्या वास्तव में असेम्बली में बम फैंके गये थे, यदि हाँ तो क्यों?

"(2) नीचे की अदालत में हमारे ऊपर जो आरोप लगाये है, वे सही है या गलत?

"पहले प्रश्न के पहले भाग के लिए हमारा उतर स्वीकारात्मक है, लेकिन तथाकथित चश्मदीद गवाहों ने इस मामले में जो गवाही दी है, वह सरासर झूठ है।" इसका खुलासा किया कि "सरकारी गवाह सार्जेंट टेरी ने पिस्तौल जब्त करना बताया है जबकि आत्मसमर्पण के समय हमारे पास कोई पिस्तौल नहीं थी।" आगे बयानों में कहा था, जेल में हमारे पास कुछ अधिकारी आये थे। उन्होंने हमें बताया कि लार्ड इरविन ने इस घटना के बाद ही असेंबली के दोनों सदनों के सम्मिलित अधिवेशन में कहा है कि "यह विद्रोह किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं है वरन् सम्पूर्ण शासन व्यवस्था के खिलाफ था।" यह सुनकर हमने तुरन्त भाप लिया कि लोगों ने हमारे इस काम के उद्देश्य को सही तौर पर समझ लिया है।

"मानवता को प्यार करने में हम किसी से पीछे नहीं हैं। हमें किसी से व्यक्तिगत द्वेष नहीं है और हम प्राणिमात्र को हमेशा आदर की नजर से देखते आये हैं। हम न तो बर्बरतापूर्ण उपद्रव करने वाले देश के कलंक है, जैसा कि सोशलिस्ट कहलाने वाले दीवान चमनलाल ने कहा है और न ही हम पागल है, जैसा कि लाहौर के 'ट्रिब्यून' तथा कुछ अन्य अखबारों ने सिद्ध करने का प्रयास किया है।

हम तो केवल अपने देश के इतिहास, उसकी मौजूदा परिस्थिति तथा अन्य मानवोचित आकांक्षाओं के मननशील विद्यार्थी होने का विनम्रतापूर्ण दावा भरकर सकते हैं। हमें ढोंग तथा पाखण्ड से नफरत है।"

इसके आगे, एक के बाद एक, विभिन्न विषयों का क्रमशः विश्लेषण किया जिनसे व्यक्तिगत नहीं बल्कि राजनीतिक उद्देश्य ही असेम्बली में बम फैंकना उद्देश्य था। जैसे सरकारी दमन, काल्पनिक हिंसा, क्रान्ति क्या है? इत्यादि विषयों पर अपनी बात अदालत के सामने रखी। "चूंकि बम फैंकना अपने आप में एक प्रकार की हिंसा का घोतक हो सकता है, अतः क्रान्ति के संबंध में कही गयी बातें अधिक सार्थकता प्रकट करती है, ऊपर हमने काल्पनिक हिंसा शब्द का प्रयोग किया है। यहां पर उसकी व्याख्या कर देना भी आवश्यक है।

आक्रामक उद्देश्य से बल प्रयोग होता है उसे हिंसा कहते हैं और नैतिक दृष्टिकोण से उसे उचित नहीं कहा जा सकता। लेकिन जब उसका उपयोग किसी वैध आदर्श के लिए किया जाता है तो उसका नैतिक औचित्य भी होता है। किसी हालत में बल प्रयोग नहीं होना चाहिए, यह विचार काल्पनिक और व्यवहारिक है। इधर देश में जो नया आंदोलन उठ रहा है और जिसकी पूर्ण सूचना हम दे चुके हैं। वह गोविंद सिंह, शिवाजी, कमाल पाशा, रिज खां, वाशिंगटन, गैरी बाल्डी, लफायत और लेनिन के आदर्शों से प्रस्फुरित है और इन्हीं के पद-चिन्हों पर चल रहा है। चूंकि, भारत की विदेशी सरकार तथा हमारे राष्ट्रीय नेतागण दोनों ही इस आंदोलन की ओर से उदासीन लगते हैं और जानबूझ कर उसकी पुकार की ओर से अपने कान बंद करने का प्रयत्न कर रहे हैं अतः हमने अपना कर्तव्य समझा कि हम एक ऐसी चेतावनी दें, जिसकी अवहेलना न की जा सके।"

निचली अदालत में पूछ गये प्रश्न कि 'क्रान्ति' से उन लोगों का क्या मतलब हैं? भगतसिंह ने पुनः दोहराया था, "क्रान्ति के लिए खूनी लड़ाइयां अनिवार्य नहीं है और न ही उसमें व्यक्तिगत प्रतिहिंसा के लिए कोई स्थान है। वह बम और पिस्तौल का सम्प्रदाय नहीं है। क्रान्ति से हमारा अभिप्राय है अन्याय पर आधारित मौजूदा समाज व्यवस्था में आमूल परिवर्तन।"

"समाज का प्रमुख होते हुए भी आज मजदूरों को उनके प्राथमिक अधिकार से वंचित रखा जा रहा है, उनकी गाढी कमाई का सारा धन शोषक पूंजीपति हड़प जाते हैं। दूसरों के अन्नदाता किसान आज अपने परिवार सहित दाने-दाने के लिए मुहताज हैं...।"

अंत में भगतसिंह ने अपने बयान में कहा था, ".....लेकिन अगर हमारी इस चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया गया और वर्तमान शासन व्यवस्था उठती हुई जनशक्ति के मार्ग में रोडे अटकाने से बाज नहीं आयी तो क्रान्ति के इस आदर्श की पूर्ति के लिए एक भयंकर युद्ध का छिड़ना अनिवार्य है। सभी बाधाओं को रौंदकर आगे बढ़ते हुए उस युद्ध के फलस्वरूप सर्वहारा वर्ग के अधिनायक तंत्र की स्थापना होगी। यह अधिनायक तंत्र क्रान्ति के आदर्शों की पूर्ति के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा। क्रान्ति मानव जाति का जन्मजात अधिकार है, जिसका अपहरण नहीं किया जा सकता। स्वतंत्रता प्रत्येक मनुष्य का जन्म सिद्ध अधिकार है। श्रमिक वर्ग ही समाज का वास्तविक पोषक है, जनता की सर्वोपरि सत्ता की स्थापना श्रमिक वर्ग का अन्तिम लक्ष्य है....."।

दिल्ली सेशन जज ने असेंबली बम केस में भगतसिंह और बटुकेश्वर दत्त को आजीवन कारावास का दण्ड दिया। लाहौर हाईकोर्ट में उसकी अपील की गयी। दिल्ली अदालत के निर्णय की आलोचना करते हुए भगतसिंह ने अपने लिखित बयान दिये। लाहौर हाईकोर्ट के जस्टिस एम. फोर्ड ने अपने फैसले में लिखा था– "यह कहना गलत नहीं होगा कि ये लोग दिल की गहराई से और पूरे आवेश के साथ वर्तमान समाज के ढांचें को बदलने की इच्छा से प्रेरित थे। भगतसिंह एक ईमानदार और सच्चे क्रान्तिकारी हैं। मुझे यह कहने में कोई झिझक नहीं है कि वे इस सपने को लेकर पूरी सच्चाई से खड़े हैं कि दुनिया का सुधार वर्तमान सामाजिक ढांचे को तोड़कर ही हो सकता है। वे कानून के ढांचे की जगह मनुष्य की स्वतंत्रता को उनकी इच्छानुसार स्थापित करना चाहते हैं। अराजकतावादियों की सदा यही मान्यता रही है, परन्तु जो अपराध करने का आरोप इन पर और इनके साथी पर लगा है, उनकी यह कोई सफाई नहीं हैं।" 30 जून को देश में 'भगत सिंह दिवस' मनाया गया था।

(शेष कल के अंक में)

-राम निवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

उच्च शिक्षा में वन वीक सीरीज़ का बढ़ता प्रभुत्वः पाठ्य पुस्तकों का संकट

यह एक बहुत ही प्रासंगिक व गंभीर चुनौती है जिसका सामना प्रकाशक व शिक्षक कर रहे हैं

अशोक कुमार

वर्तमान समय में ऐसा देखा और सुना गया है कि उच्च शिक्षा में छात्र text books नहीं पढ़ते, केवल one week series में interested होते हैं या YouTube से पढ़ लेते हैं । प्रकाशक Text book छापने में असमर्थता दिखाता है। भविष्य में क्या होगा ?

यह एक बहुत ही प्रासंगिक और गंभीर चुनौती है जिसका सामना वर्तमान में भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली, विशेषकर प्रकाशक और शिक्षक कर रहे हैं। छात्रों का यह रुझान अकादमिक गुणवत्ता को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है।

भविष्य में, इस प्रवृत्ति का परिणाम शायद पूरक पाठ्य सामठी (Supplemental Study Material) के हावी होने और पारंपरिक पाठ्यपुस्तकों (Text books) की भूमिका के बदलने के रूप में सामने आएगा।

वर्तमान स्थिति का विश्लेषण और कारण

छात्रों के पाठ्यपुस्तकों से दूर होने और वन वीक सीरीज़ या YouTube पर निर्भर होने के मुख्य कारण ये हैं:--

परीक्षा-केंद्रित दृष्टिकोण (Exam-Centric Approach): छात्र केवल न्यूनतम प्रयास में अधिकतम अंक प्राप्त करना चाहते हैं। वन वीक सीरीज़ या भ्दल्ऊलं वीडियो सीधे परीक्षा के प्रश्नों पर केंद्रित होते हैं, जिससे छात्रों को लगता है कि वे समय बचा रहे हैं।

अवधारणात्मक बोझ (Conceptual Burden): पारंपरिक पाठ्यपुस्तकें विस्तृत और गहन होती हैं। कई छात्र, खासकर सामान्य कॉलेजों में, विषय की जटिलता को समझने के बजाय, केवल पास होने के लिए सरल सारांश चाहते हैं।

डिजिटल पहुँच और सुविधा (Digital Access and Convenience): भ्दल्ऊलं, इ्ञ्इ नोट्स और वन-वीक सीरीज़ आसानी से उपलब्ध हैं और अक्सर निःशुल्क होते हैं। छात्र इन्हें कहीं भी, कभी भी पढ़ या देख सकते हैं, जबकि पाठ्यपुस्तकें महँगी और भारी होती हैं।

पठन संस्कृति की कमीः छात्रों में अब गहन पठन (Deep Reading) और शोध की आदत कम हो गई है, वे त्वरित और दृश्य सामग्री (Quick Visual Content) पसंद करते हैं।

भविष्य में क्या होगा? (भविष्यवाणी)

यह स्थिति उच्च शिक्षा के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem) को निम्नलिखित तरीकों से प्रभावित करेगी:

1. पारंपरिक पाठ्यपुस्तकों का स्वरूप परिवर्तन

छोटे और केंद्रित प्रकाशनः प्रकाशक अब विशाल, महंगी पाठ्यपुस्तकों के बजाय छोटी, मॉड्यूल-आधारित (Module-based) और अद्यतन (Updated) सामठी प्रकाशित करेंगे जो केवल मुख्य अवधारणाओं पर केंद्रित होगी।

डिजिटल पाठ्यपुस्तकें (E-Textbooks) और हाइब्रिड मॉडलः पाठ्यपुस्तकें अनिवार्य रूप से डिजिटल रूप (ई-बुक या ऐप) में उपलब्ध होंगी, जिसमें इंटरैक्टिव क्विज़, वीडियो लिंक और 3D मॉडल जैसे डिजिटल पूरक शामिल होंगे।

खुला शैक्षिक संसाधन (OER) का उदयः गुणवत्तापूर्ण सामठी को कम लागत पर उपलब्ध कराने के लिए ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज (OER) का उपयोग बढ़ेगा, जिससे प्रकाशकों को मुद्रण से जुड़ी समस्याओं से मुक्ति मिलेगी।

2. शिक्षक की भूमिका में परिवर्तन

पुनः प्रमाणन (Re-validation) की आवश्यकताः शिक्षकों को छात्रों को यह विश्वास दिलाना होगा कि केवल वन-वीक सीरीज़ पर्याप्त नहीं है। उन्हें पाठ्यपुस्तकों की सामठी को कक्षा में व्यावहारिक अनुप्रयोगों (Practical Applications) के साथ जोड़कर पढ़ाना होगा।

स्त्रोत के रूप में शिक्षकः छात्र अब जानकारी के लिए पूरी तरह से शिक्षक पर निर्भर होंगे, जिसे शिक्षक को विभिन्न विश्वसनीय स्त्रोतों (Reliable Sources) (पाठ्यपुस्तकें, शोध पत्र, वीडियो) से एकत्र करना होगा और कक्षा में प्रस्तुत करना होगा।

3. प्रकाशकों का रूपांतरण (Transformation of Publishers) :

कंटेंट प्रदाता (Content Providers) प्रकाशक अब मुद्रण कंपनी (Printing Company) के बजाय "शैक्षिणक समाधान प्रदाता" (Educational Solutions Provider) बन जाएँगे। वे पाठ्यपुस्तकों को छापने के बजाय डिजिटल सब्सक्रिप्शन मॉडल, ऑनलाइन सामग्री और परीक्षा तैयारी प्लेटफ़ॉर्म पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

परीक्षा केंद्रित प्रकाशनों का प्रभुत्वः वन वीक सीरीज़ या इसी तरह के परीक्षा-केंद्रित गाइड का उत्पादन बढ़ेगा, क्योंकि उनकी बाज़ार में मांग अधिक है। हालांकि, यह अकादमिक गुणवत्ता के लिए चिंता का विषय रहेगा।

अकादमिक गुणवत्ता के लिए खतरा

यह रुझान राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के गहन ज्ञान, अनुसंधान और बहु-विषयक शिक्षा के लक्ष्य को गंभीर रूप से चुनौती देता है।

सतही ज्ञानः वन-वीक सीरीज़ या त्वरित वीडियो से प्राप्त ज्ञान सतही होता है, जो छात्रों को उच्च अध्ययन (Higher Studies) या अनुसंधान के लिए तैयार नहीं करता।

कौशल की कमीः जब छात्र गहन पठन नहीं करते हैं, तो उनकी विश्लेषणात्मक क्षमता (Analytical Skills) और जटिल समस्या-समाधान (Complex Problem-Solving) कौशल कमज़ोर होते हैं।

निष्कर्षः-- भविष्य में, उच्च शिक्षा का परिदृश्य पाठ्यपुस्तक-मुक्त (Textbook-free) नहीं होगा, लेकिन यह निश्चित रूप से पेपर-मुक्त (Paper-free) और वन-वीक सीरीज़ द्वारा संचालित हो सकता है। छात्रों की इस प्रवृत्ति को बदलने के लिए शिक्षकों को कक्षा में पाठ्यपुस्तकों का महत्व सिद्ध करना होगा और प्रकाशकों को डिजिटल और इंटरैक्टिव सामग्री के साथ नवाचार करना होगा।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर ,
गोरखपुर विश्वविद्यालय ,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

राशिफल रविवार 2 नवम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र सायं 5:04 तक, व्याघात योग रात्रि 11:10 तक, विष्टि करण प्रातः 7:32 तक, चन्द्रमा दिन 11:27 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज त्रिपुष्कर योग प्रातः 7:32 से सायं 5:04 तक है। राजयोग सायं 5:04 से सोमवार प्रातः 5:08 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सायं 5:04 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा प्रातः 7:32 तक है। शुक्र तुला में दिन 1:15 पर प्रवेश करेगा। आज देवशयनी एकादशी व्रत, त्रिभ्पृशा महाद्वादशी व्रत, देवप्रबोधोत्सव, पंचक है। आज द्वादशी तिथि का क्षय हुआ है। आज मन्वादि, हरिवातशभाव, कालिदास जयन्ती और चातुर्मास व्रत नियम समाप्त होंगे। आज तुलसी विवाह है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 8:03 से 9:26 तक, लाभ-अमृत 9:26 से 12:10 तक, शुभ 1:33 से 2:55 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:41, सूर्यास्त 5:40 तक

मेष

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी, धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

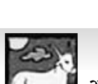

वृष

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

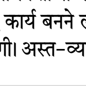

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

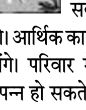

कर्क

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। परिवार में आपसी वाद-विवाद हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कन्या

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे।

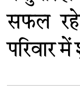

तुला

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

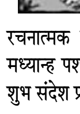

वृश्चिक

घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

धनु

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

मकर

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज महत्वपूर्ण कार्य में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आज परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

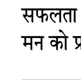

कुंभ

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

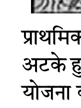

मीन

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 30 संख्याः 92 प्रभात अजमेर, रविवार, 2 नवम्बर, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

प्रशांत किशोर की सबसे बड़ी ताकत है बिहार चुनाव में उनकी रहस्यमयता

चुनाव के बाद वो किस पार्टी के साथ जाएंगे, इसे विश्वासपूर्वक कोई नहीं कह सकता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1, नवम्बर। बिहार में मतदान की तारीखें नजदीक आते ही, चुनावी रणनीतिकार से जन-आंदोलनकर्ता बने प्रशांत किशोर (पीके) एक बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में उभरते दिखाई दे रहे हैं, जो परंपरागत चुनावी गणित को बदल सकते हैं।

हाल की कई ज़मीनी रिपोर्टों से संकेत मिला है कि किशोर का जन सुराज अभियान, जनता के बीच गहराई से पहुंच बनाकर भाजपा और जदयू दोनों के वोट बैंक को प्रभावित कर रहा है, जिससे सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन के लिए गंभीर चुनौती खड़ी हो गई है।

कई जिलों से आए सर्वेक्षण बताते हैं कि किशोर का गांव-गांव तक पहुंचना और पहली बार वोट देने वाले युवाओं को जोड़ने का अभियान अब असर दिखाने लगा है, खासकर उन इलाकों में

- पर यह सच है कि वो लोग, जो केन्द्रीय सरकार के कार्यकलापों से नाखुश हैं व उतने ही असंतुष्ट नीतीश कुमार के बिहार मॉडल से हैं, वे प्रशांत किशोर की नई राजनीतिक कल्चर की ओर आकर्षित हो रहे हैं।
- प्रशांत किशोर की अहमियत उन चुनाव क्षेत्रों में अति महत्वपूर्ण हो गई है, जहाँ गत चुनावों में जीत का अंतर बहुत कम रहा है।
- यह स्वीकार करना पड़ता है कि प्रशांत किशोर यदि कुछ सीमित संख्या में जीत कर आते हैं तो भी सरकार बनाने में उनकी अहमियत को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।
- पार्टियों के कोर सपोर्ट वोट बैंक, यूथ ईबीसी तथा जागृत ग्रामीण वोटों में वे विभाजन करा रहे हैं, जिससे पार्टियों में संघर्ष और टाईट हो गया है।

जहां राज्य और केंद्र सरकार के खिलाफ नाराज़गी साफ झलकती है।

पर्यवेक्षकों के अनुसार, मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा, जो केंद्र सरकार के कामकाज से निराश है और नीतीश कुमार के बिहार मॉडल से भी असंतुष्ट है, अब किशोर के नई राजनीतिक संस्कृति के वादे की ओर आकर्षित होता दिख रहा है।

किशोर बार-बार यह कहते आए हैं कि उनका आंदोलन बिहार के पुनर्निर्माण की दीर्घकालिक सोच से प्रेरित है, लेकिन जानकारों का कहना है कि उनकी बढ़ती संगठनात्मक शक्ति और कार्यकर्ताओं का फैलता नेटवर्क उन्हें चुनाव बाद की राजनीति में एक अहम खिलाड़ी बना सकता है। एक वरिष्ठ चुनाव विश्लेषक के शब्दों में, "अगर किशोर कुछ सीटें भी जीत लेते हैं, तो सरकार गठन में उनकी सौदेबाज़ी की ताकत को कम नहीं आंका जा सकता।"

भाजपा और जदयू के लिए किशोर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सज्जनगढ़ जैविक उद्यान में बाघ की मौत

उदयपुर, 1 नवम्बर (कास.)। जैविक उद्यान सज्जनगढ़ में एक नर बाघ की मौत हो गई, जो 8 साल से इसी पार्क में रह रहा था।

उप वन संरक्षक वन्यजीव यादवेंद्र सिंह चुण्डावत ने बताया कि शनिवार सुबह दैनिक प्राणी चैकिंग व होल्डिंग क्षेत्र की साफ-सफाई के समय, हॉल्डिंग क्षेत्र में ही नर बाघ का शव मिला। "कुमार" नाम के इस बाघ का जन्म 2007 में पिलिकुला बायोलॉजिकल

- वन्य जीव स्टाफ ने बताया कि कुमार नामक बाघ 18 वर्ष का हो चुका था और बढ़ती उम्र की समस्याओं से त्रस्त था। इसे 2017 में कर्नाटक से यहाँ लाया गया था।

पार्क मैंगलोर, कर्नाटक में हुआ और 13 जुलाई 2017 को जैविक उद्यान सज्जनगढ़ में लाया गया। तब उसकी उम्र 10 वर्ष थी। वह जैविक उद्यान सज्जनगढ़ में पर्यटकों के लिए डिस्प्ले में रहा। गत छह माह से उम्रदराज होने के कारण जोडों में दर्द होने के चलते उसे नॉन डिस्प्ले क्षेत्र में रखा गया था। सूत्रों ने बताया कि 30 अक्टूबर को सुबह चैकिंग के दौरान पता चला कि उसने रात का खाना नहीं खाया था।

चुण्डावत ने बताया कि मेडिकल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'2005 में हमें जैसा बिहार मिला था, तब बिहारी होना अपमान की बात थी'

'तब से मैंने दिन रात ईमानदारी और कड़ी मेहनत से आपकी सेवा की है, अब बिहारी होना सम्मान की बात है'

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 1 नवम्बर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को बिहार विधानसभा चुनावों से पहले राज्य के नागरिकों के लिए एक वीडियो जारी किया और कहा कि सन् 2005 में पहली बार मुख्यमंत्री बनने से लेकर अब तक उन्होंने "ईमानदारी और कड़ी मेहनत" के साथ उनकी सेवा की है।

तीन मिनट से ज्यादा के इस वीडियो संबोधन में, जेडीयू के नेता ने कहा कि "2005 में जब वे पहली बार मुख्यमंत्री बने थे तब बिहारी होना अपमान का विषय था।"

उन्होंने कहा, "मेरे प्रिय भाइयों और बहनों, बिहारवासियों, आपने मुझे 2005 से आपकी सेवा करने का अवसर दिया। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि जिस स्थिति में हमें बिहार मिला था, उस समय बिहारी होना अपमान की बात थी। तब से अब तक, हमने दिन-रात ईमानदारी और मेहनत से आपकी सेवा की है।"

कुमार, जिनकी जेडीयू इस समय बिहार में भाजपा नीत गठबंधन का हिस्सा है, ने कहा कि उन्होंने शिक्षा,

- नीतीश कुमार ने जनता के नाम वीडियो संदेश जारी कर अपनी उपलब्धियाँ गिनाईं।
- नीतीश ने कहा, मैंने जनता के लिए काम किया, अपने परिवार के लिए नहीं। कोई भी हो, चाहे हिंदू या मुसलमान, अगड़ा या पिछड़ा या महादलित, हमने सभी के लिए काम किया है।
- नीतीश ने कहा, हमें एक और मौका दीजिए, हम बिहार के विकास के लिए कई काम करेंगे।

स्वास्थ्य, सड़कों, बिजली, पेयजल, कृषि, और युवाओं के लिए अवसरों में सुधार किया है।

उन्होंने कहा, "पिछली सरकार ने महिलाओं के लिए कोई काम नहीं किया। अब हमने महिलाओं को इतना मजबूत बना दिया है कि अब वे किसी पर निर्भर नहीं हैं और अपने परिवारों और बच्चों के लिए सभी काम कर सकती हैं। हम आपको यह बताना चाहते हैं कि हमने समाज के सभी वर्गों के लिए काम किया है।"

नीतीश ने कहा, "चाहे आप हिन्दू हों, मुस्लिम हों, उच्च जाति के हों, पिछड़े हों, दलित हों, या महादलित, हम सबके लिए काम कर रहे हैं। मैंने अपने परिवार के लिए कुछ भी नहीं किया।" कुमार ने जनवरी में पुनः एनडीए में शामिल होकर, बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में रिकॉर्ड नौवीं बार शपथ ली।

उन्होंने कहा, "अब, बिहारी होना अपमान की बात नहीं, बल्कि सम्मान की बात है।"

उन्होंने एनडीए के प्रत्याशियों को वोट देने की अपील करते हुए कहा, "हमें एक और मौका दें। इसके बाद, और काम किए जाएंगे, जो बिहार को इतना विकसित कर देंगे कि यह देश के शीर्ष राज्यों में शामिल हो जाएगा।"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आँध्र के काकुलम के वैंकटेश्वर मंदिर में भगदड़, दस की मौत

मृतकों में 2 बच्चे व 8 महिलाएँ हैं, 25 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं

श्रीकाकुलम, 01 नवंबर। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित काशीबुग्गा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को एकादशी के दौरान भगदड़ मचने से 10 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 8 महिलाएं और 2 बच्चे शामिल हैं। 25 से ज्यादा लोगों का इलाज चल रहा है। कहा जा रहा है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार मंदिर पहली मंजिल पर है, जिसका आने-जाने का रास्ता एक ही है। आज भारी भीड़ के दौरान रास्ता जाम हो गया। लोगों की धक्का-मुक्की की वजह से रेलिंग टूट गई। इससे भगदड़ मच गई।

श्रीकाकुलम के एसपी केवी महेश्वर रेड्डी ने बताया कि यह मंदिर निजी जमीन पर बना है। मंदिर के संचालक ने प्रशासन या पुलिस को आज के कार्यक्रम की कोई सूचना नहीं दी थी। अगर पहले बताया जाता तो सुरक्षा के इंतजाम किए जा सकते थे।

- शनिवार को एकादशी के कारण मंदिर में भारी भीड़ थी। मंदिर पहली मंज़िल पर है और लोग निकास द्वार से भी अंदर जाने की कोशिश कर रहे थे।
- भारी भीड़ के कारण रास्ता जाम हो गया तथा धक्का-मुक्की के कारण रेलिंग टूट गई और हादसा हो गया।

पुलिस के अनुसार एकादशी होने की वजह से मंदिर में कुछ श्रद्धालु प्रवेश द्वार की बजाय निकास द्वार से अंदर जाने की कोशिश करने लगे, जिससे अफरा-तफरी के बाद भगदड़ मच गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लगाई गई रेलिंग अचानक टूट गई, जिसके बाद कई लोग गिर पड़े।

सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। एसपी महेश्वर रेड्डी ने बताया कि मंदिर के प्रशासक हरिमुकुंद पांडा पर "गैर-इरादतन हत्या" के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया है। सीएम ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर मंदिर में हुई भगदड़ की घटना से गहरा सदमा पहुंचा है। इस दुखद घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु अत्यंत हृदयविदारक है। मैं मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैंने अधिकारियों को घायलों का शीघ्र और उचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मैंने स्थानीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आरएसएस की कांग्रेस को चुनौती

जबलपुर, 01 नवंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने वाले बयान पर संघ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। जबलपुर में आयोजित अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक के बाद

- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जन खड़गे के संघ पर बैन लगाने के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी व कहा कि कांग्रेस पहले तीन बार कोशिश कर चुकी है, एक बार और कर ले।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कांग्रेस को खुली चुनौती दी और कहा कि वे एक बार फिर यह प्रयास करके देख लें।

होसबाले ने कहा कि समाज और सरकार ने संघ को स्वीकार किया है और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जन सुराज पार्टी ने चुनाव से पहले गठबंधन नहीं किया है और चुनाव के बाद भी नहीं करेगी'

जन सुराज पार्टी के संस्थापक सुप्रीमो प्रशांत किशोर ने लिखित में आश्वासन दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1, नवम्बर। चुनाव रणनीतिकार से राजनेता बने और जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि वह आश्वस्त हैं कि उनकी पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में या तो 10 से कम सीटें जीतेगी या 150 से अधिक।

जन सुराज पार्टी ने बिहार चुनाव से पहले किसी अन्य पार्टी से गठबंधन नहीं किया है और चुनाव के बाद भी ऐसा नहीं करेगी, इसकी पुष्टि पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने लिखित रूप में दी है।

प्रशांत किशोर ने शनिवार को पटना में एनडीटीवी के बिहार पावर प्ले कॉन्क्लेव में कहा, "जन सुराज पार्टी आगामी चुनाव में या तो 10 से कम सीटें जीतेगी या 150 से अधिक सीटें जीतेगी।" जब उनसे पूछा गया कि जन सुराज अपनी पहली चुनावी यात्रा में

- सीटों के बारे में पूछे जाने पर किशोर ने कहा, मुझे दो ही संभावना नज़र आती हैं, जन सुराज या तो 10 से कम सीटें जीतेगी या 150 से ज्यादा। उन्होंने कहा, लोगों को जन सुराज में विकल्प दिखाई देता है। पर, वोट देने के लिए "लीप ऑफ फेथ" की जरुरत होती है।
- खंडित जनादेश की स्थिति में किसी अन्य दल से गठबंधन की संभावना पर उन्होंने कहा, अगर ऐसी स्थिति आई कि हमारे बिना सरकार नहीं बनेगी तो लोग पाला बदलेंगे। ऐसी स्थिति में "लक्ष्मी का लोभ" और सीबीआई का डर भारी पड़ता है।
- उन्होंने कहा, अगर हमारे 30 विधायक आए और वे सरकार बनाने के लिए जरुरी हुए तो क्या वे मेरी सुनेंगे, पर मैं ईमानदार रहूँगा। उन्होंने यह भी कहा, अमित शाह से लिखित में लीजिए कि एनडीए के विधायक कम हुए तो वे "हॉर्स ट्रेडिंग" नहीं करेंगे।

कितनी सीटें जीत सकता है, तो उन्होंने कहा, "नेताओं से यह उम्मीद की जाती है कि वे कहेंगे कि वे जीत रहे हैं। मैं दो संभावनाएं देखता हूँ। लोग जन सुराज को एक विकल्प के रूप में देख रहे हैं, लेकिन मतदान के लिए विश्वास की छलांग (लीप ऑफ फेथ) चाहिए। लोगों को विश्वास की छलांग की जरूरत है, क्योंकि लंबे समय तक निराशा का दौर रहा है।" उन्होंने यह भी कहा कि जन सुराज या तो 10 से कम या 150 से अधिक सीटें जीतेगा।

जब उनसे पूछा गया कि वह चुनाव क्यों नहीं लड़ रहे हैं, तो उन्होंने कहा, "मैंने कभी यह घोषणा नहीं की कि मैं किसी भी एक सीट से चुनाव लड़ूंगा। मैंने कहा था कि अगर मैं चुनाव लड़ूंगा तो करगहर से लड़ूंगा। मैं कोई -"एक्स फैक्टर" नहीं हूं।"

उन्होंने कहा, "जब 14 नवम्बर को परिणाम गिने जाएंगे, तो सफलता का माप जन सुराज के सीटें जीतने से होगा या इस बात से कि मैंने चुनाव लड़ा या नहीं? धारणा यह है कि बिहार में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार मुहिम में तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड

नयी दिल्ली, 01 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत तीन गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बनाए जाने की उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए इसकी सराहना की है।

प्रधानमंत्री ने इस उपलब्धि को लेकर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

- प्र.मंत्री मोदी ने इस उपलब्धि की सराहना की

मंत्रालय के एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया में कहा कि इस तरह की पहल बेहद सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यह जन आंदोलन महिला सशक्तिकरण के लिए के हर प्रयास को गति देता है और महिलाओं के जीवन में बड़े बदलाव का प्रभावी प्रेरक बनता है।

मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा "यह बहुत ही सराहनीय है। इस तरह के जन आंदोलन हमारे महिला सशक्तीकरण प्रयासों को गति प्रदान करते हैं और हमारी नारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीरजा मोदी स्कूल में चौथी मंजिल से गिर कर छात्रा की मौत

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने स्कूल में सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने का आरोप लगाया और जाँच के आदेश दिए

जयपुर, 1 नवंबर। राजधानी के मानसरोवर थाना इलाके में स्थित नीरजा मोदी स्कूल में चौथी मंजिल से गिरकर एक 12 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार छात्रा छठी क्लास में पढ़ रही थी। बताया जा रहा है कि झाड़ियों में गिरने के बाद उसका सिर दीवार से टकराया, जिससे मौके पर ही उसकी हालत बिगड़ गई। चीख-पुकार सुनकर स्कूल स्टाफ तुरंत पहुंचा और उसे तत्काल मेट्रो मास अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेकर जांच-पड़ताल शुरु कर दी। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि स्कूल में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध नहीं थे। जिला शिक्षा अधिकारी को मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं।

थानाधिकारी लखन सिंह खटाना ने बताया कि शनिवार को स्कूल की छत से 12 वर्षीय छात्रा अमायरा के नीचे गिरने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। बच्ची को नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह हादसा था या आत्महत्या, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

हादसे की सूचना मिलने ही छात्रा की मां शिवानी देव और पिता विजय देव अस्पताल पहुंचे और बच्ची की हालत को देखकर बेसुध हो गए। छात्रा के परिजनों ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रशासन ने घटनास्थल पर खून के धब्बे साफ करवा दिए थे। घटना के बाद घटनास्थल पर सबूत सुरक्षित रखना जरूरी होता है। लेकिन स्कूल प्रशासन की ओर से सबूत मिटा दिए गए। परिजनों ने स्कूल के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। छात्रा के पिता एलआईसी में और मां बैंक ऑफ बड़ौदा में ब्रांच मैनेजर हैं। परिवार मानसरोवर के द्वारका अपार्टमेंट में रहता है।

छात्रा की मौत को लेकर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने दुख प्रकट किया है। मंत्री ने कहा, लगता है स्कूल में सुरक्षा

- मृतक छात्रा, 12 वर्षीय अमायरा छठी कक्षा में पढ़ती थी। चौथी मंज़िल से वह सीधे झाड़ियों में गिरी और उसका सिर दीवार से टकराया। स्कूल स्टाफ उसे तुरंत समीपवर्ती मैट्रो मास अस्पताल ले गया, जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया।
- छात्रा के माता-पिता व अन्य परिजन घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल पहुँचे। परिजनों ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रशासन ने घटना स्थल से खून के धब्बे साफ करवाकर सबूत मिटाने का काम किया है। परिजनों ने स्कूल पर सख़्त कार्यवाही की मांग की।
- पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, परिजनों ने अभी तक भी पंचनामे पर साइन नहीं किए हैं। इसलिए पोस्टमार्टम नहीं हो पाया।
- स्कूल प्रबंधन की तरफ से कोई बयान नहीं आया है, पर, कुछ सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं, जिनमें छात्रा अकेले चौथी मंज़िल पर जाते हुए और वहाँ रेलिंग पर बैठी दिख रही है।
- छात्रा के पिता विजयदेव एलआईसी में हैं और माँ शिवानी बैंक ऑफ बड़ौदा में ब्राँच मैंनेजर हैं। संयुक्त अभिभावक संघ ने कहा, छात्रा ने टीचर की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या की है।

के व्यापक प्रबंध नहीं थे। विद्यालय संचालकों को बच्चों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने चाहिए। जिला शिक्षा अधिकारी जयपुर को मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। परिजनों ने अभी तक पंचनामे पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। हस्ताक्षर के बाद ही पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू हो पाएगी।शुरुआती दौर में फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर जांच की जा रही है। कुछ सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। स्कूल प्रबंधन ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है

अमायरा के परिवार की महिला कमलेश ने कहा, ऐसे स्कूल मोटी फीस लेते हैं और सबूत मिटाने का काम करते हैं, ऐसा स्कूल बंद होना चाहिए। जिस बच्ची की मौत हुई वह इकलौती बेटी थी। ग्राउण्ड फ्लोर पर उसकी क्लास थी। चौथी मंजिल पर अकेली गई थी। जो सीसीटीवी में जाते दिख रही है। कूदने से पहले रेलिंग पर बैठी। कुछ सेकेंड बैठी रही। फिर कूद गई।

मेट्रो मास हॉस्पिटल के डॉक्टर ने बताया कि जब बच्ची को हॉस्पिटल लेकर आए थे। उस वक्त सांसें लगभग थम चुकी थीं। बच्ची की डेड बॉडी इतनी खराब स्थिति में थी कि देखकर हम लोग भी घबरा गए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कैनडा के प्र.मं ने ट्रंप से माफी मांगी

सियोल, 01 नवंबर। कनाडा और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शनिवार को यह स्वीकार किया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से एक विवादित राजनीतिक विज्ञापन को लेकर औपचारिक माफी मांगी है। यह विज्ञापन

- कैनडा के प्र.मंत्री मार्क कार्नी ने बताया, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रीगन के बयान संबंधी विज्ञापन के लिए उन्होंने ट्रंप से माफी मांगी है।

हाल ही में कनाडा में प्रसारित हुआ था जिसने दोनों देशों के बीच नए विवाद को जन्म दिया।

यह मामला उस समय शुरू हुआ जब ओंटारियो प्रांत की सरकार ने अमेरिकी टैरिफ नीति के खिलाफ एक एड जारी किया। इस विज्ञापन में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘भारतीय सेना अब रात में युद्ध की ट्रेनिंग पर ज्यादा फोकस कर रही है’

ऑपरेशन-सिंदूर के बाद अब हर यूनिट में होगी काउंटर-ड्रोन प्लाटून : आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह

- ‘भारतीय सेना अब 70 प्रतिशत ट्रेनिंग रात में कर रही है, क्योंकि अधिकतर युद्ध रात में ही लड़े जाते हैं’
- ‘अब हर इन्फैंट्री यूनिट में ड्रोन और काउंटर-ड्रोन कार्रवाई के लिए अलग प्लाटून बनाई गई है, इन प्लाटूनों के लिए ट्रेनिंग स्कूल भी स्थापित किए गए हैं’

बीकानेर, (निसं)। भारतीय सेना अब दिन की बजाय रात में युद्ध की ट्रेनिंग पर ज्यादा फोकस कर रही है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना ने अब नाइट ट्रेनिंग पर जोर दे रही है। यह बात सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना अब 70 प्रतिशत ट्रेनिंग रात में कर रही है, क्योंकि अधिकतर युद्ध रात में ही लड़े जाते हैं। इसी को लेकर गत दिनों बीकानेर के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में डेमो भी हुआ था, जिसमें करीब 2 हजारों जवानों ने हिस्सा लिया था।

उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुश्मन के ड्रोन भारतीय सीमा में आए थे, लेकिन वे कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचा सके। इसके बाद सेना ने ड्रोन खतरों से निपटने के लिए तैयारी की है। अब हर इन्फैंट्री यूनिट में ड्रोन और काउंटर-ड्रोन कार्रवाई के लिए अलग प्लाटून बनाई गई है। इन प्लाटूनों के लिए ट्रेनिंग स्कूल भी स्थापित किए गए हैं, जहां जवानों को इस क्षेत्र की विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है। सेना की आर्म्ड और आर्टिलरी रेजिमेंट्स में कई परिवर्तन किए जा रहे हैं।

जनरल सिंह ने कहा कि आर्मी चीफ द्वारा घोषित नई यूनिट्स-दिव्यास्त्र बैटरी और शक्ति बंध बटालियन दूर तक सटीक वार करने में सक्षम होंगी। सेना को लगातार नई टेक्नोलॉजी, हथियार और उपकरण मिल रहे हैं और इसी के साथ प्रशिक्षण भी आधुनिक हो रहा है। उन्होंने बताया कि सीमा क्षेत्र में ड्रोन के माध्यम से हो रही नारको-टेररिज्म गतिविधियों पर सेना लगातार काम कर रही है। बीएसएफ के साथ तीन संयुक्त सिस्टम भारतीय क्षेत्र में और दो सिस्टम बीएसएफ क्षेत्र में सक्रिय हैं, जो सीमा पार से आने वाले ड्रग्स ड्रोन को ट्रैक और रोकने में मदद करते हैं।

जनरल सिंह ने बताया कि अब महिलाओं के लिए एनडीए एंट्री और उच्च पदों पर तैनाती के रास्ते खोल दिए गए हैं। सेना में महिला अधिकारियों की जिम्मेदारियां और नेतृत्व भूमिकाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सेना में आने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है और हर क्षेत्र में उनकी भागीदारी को बढ़ावा दिया जा रहा है। महाजन में हुए अभ्यास में इस्तेमाल किए गए सभी हथियार भारत में निर्मित थे। जनरल सिंह ने कहा कि लंबे युद्धों में विदेशी उपकरणों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, इसलिए सेना का फोकस अब पूरी तरह "आत्मनिर्भर भारत" के तहत बने हथियारों पर है। छोटे पुर्जों से लेकर बड़े सिस्टम तक, सभी भारतीय निर्माण इकाइयों से तैयार किए जा रहे हैं।

जनरल सिंह ने बताया कि सेना सायबर अटैक की संभावनाओं के लिए पूरी तरह तैयार है। सायबर वारफेयर में सेना का फोकस डिफेंसिव सिस्टम्स पर है। उन्होंने कहा कि हमारे पास एक आर्गेनाइजेशन है, ट्रेंड मेन पॉवर है, सिस्टम मौजूद हैं, ताकि दुश्मन किसी भी सिस्टम पर हमला न कर सके। ऑफेंसिव का काम आर्मी का नहीं है, उसके लिए अलग सिस्टम है। वो अपना काम कर रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भी भारतीय सेना तेजी से आगे बढ़ रही है। इसके लिए बेंगलुरु में एक विशेष सेंटर स्थापित किया गया है, जहां से सभी भविष्य की आधारित डवलपमेंट्स को सेना में लागू किया जाएगा। जनरल सिंह ने कहा कि भारतीय सेना को हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना होगा। हमें यह मानकर चलना होगा कि कल भी लड़ाई हो सकती है। किसी भी आतंकी हमले को अब एक्ट ऑफ वॉर माना जाएगा, और सेना उसकी पूरी तरह से जवाबी तैयारी रखती है।

प्रसव के बाद मां-बच्चे की मौत, परिजनों का हंगामा

- भरतपुर जनाना अस्पताल में परिजनों ने अस्पताल कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया

भरतपुर, (निसं)। जनाना अस्पताल में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां डिलेवरी के दौरान बच्चा और समय पर ईलाज नहीं मिलने से मां-बच्चे की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल कर्मचारियों की लापरवाही के कारण यह घटना हुई। मृतक महिला की सास का आरोप है कि डिलेवरी के बाद जब महिला की तबीयत बिगड़ी तो वह स्टाफ के पास गिड़गिड़ाती रही लेकिन किसी ने नहीं सुना उसके बाद महिला ने दम तोड़ दिया। घटना को लेकर के मृतक के परिजनों के साथ अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों ने विरोध प्रदर्शन किया।

मृतका पिंकी पत्नी अजय कुमार डीग जिले के कामां थाना क्षेत्र के गांव अकाता निवासी है। सास लक्ष्मी देवी ने बताया कि उसके बेटे की बहु को डिलेवरी के लिए शुक्रवार शाम को जनाना अस्पताल में भर्ती कराया था। देर रात ढाई बजे के आस पास डिलेवरी हुई। डिलेवरी के दौरान बच्चा की मौत हो गई। जबकि उनकी बहू सही थी, लेकिन बहू की अचानक तबियत बिगड़ी। रात को वह अस्पताल में कर्मचारियों के पास गई लेकिन सभी ने उनकी बात को अनसुना कर दिया और सुबह लगभग 5 बजे के आसपास महिला ने दम तोड़ दिया। उनका कहना है कि उनकी बहू को समय पर उपचार मिल जाता तो जान बच सकती थी, लेकिन कर्मचारियों की लापरवाही के कारण उनकी बहू की मौत हुई है। घटना के बाद मरीज के परिजन और अन्य अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजनों के द्वारा अस्पताल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई। जनाना अस्पताल प्रभारी डॉक्टर शेर सिंह ने बताया कि उनके संज्ञान में मामला आया है। मामले की जांच की जा रही है और जो भी दोषी कर्मचारी होंगे उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टर चोर गिरोह का खुलासा, दो जने गिरफ्तार

ट्रैक्टर चोरी कर हरियाणा सप्लाई करते थे आरोपी

कनवास पुलिस ने ट्रैक्टर चोर गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

कोटा, (निसं)। कनवास पुलिस टीम ने ट्रैक्टर चोरी की दर्ज रिपोर्ट पर कार्रवाई कर ट्रैक्टर चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी सहित सह आरोपी को भी गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 25 मई को फरियादी भंवरलाल ने कनवास थाने पर रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि कृषि कार्य के लिये रिश्तेदार से ट्रैक्टर लिया था, 24 मई की रात्रि को ट्रैक्टर को घर के सामने खड़ा किया था और जब सुबह देखा तो ट्रैक्टर घर के बाहर नहीं था, जिसे कोई अज्ञात चोरी करके ले गये। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया एवं मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये कनवास थानाधिकारी श्यामाराम के नेतृत्व में टीम गठित की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीम ने घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटैज खंगाले। ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीम ने इलाके में नाकाबंदी कर वाहन चोरी का मुख्य आरोपी इन्द्रा कॉलोनी मंडाना निवासी सद्दाम हुसैन (33) एवं उसके साथी क्रेशर बस्ती अनंतपुरा निवासी मिथुन (25) को उज्जैन से कोटा की तरफ आते समय गिरफ्तार किया, आरोपी फरारी काटने के उत्तरप्रदेश जाने की फिराक में थे।

ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि पूछताछ के दौरान मामले में सामने आया कि आरोपी अपनी कार से महाकाल भक्त का भेष बनाकर रैकी कर ट्रैक्टर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे मुख्य आरोपी सद्दाम ट्रैक्टर की रैकी कर ट्रैक्टर को स्टार्ट करता था और उसका साथी मिथुन ट्रैक्टर को चलाकर ले जाता था। आरोपी ट्रैक्टर चोरी करके हरियाणा के मेवात क्षेत्र में सप्लाई करते थे। ग्रामीण एसपी ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में कनवास के अतिरिक्त कैथून से दो ट्रैक्टर, रामपुरा कोतवाली कोटा से एक ट्रैक्टर चोरी की वारदात को स्वीकारा है। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

महिला मंडल के व्हाट्सएप ग्रुप में शादी का कार्ड भेजकर सायबर ठगी की

- कार्ड को असली समझकर जैसे ही ग्रुप से जुड़ी 150 से ज्यादा महिलाओं ने डाउनलोड किया तो व्हाट्सएप हैक हो गया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के एक महिला मंडल के व्हाट्सएप ग्रुप में शादी का इनविटेशन कार्ड भेजकर सायबर ठगी की वारदात को अंजाम देने का मामला सामने आया है। इस कार्ड को असली समझकर जैसे ही ग्रुप से जुड़ी 150 से ज्यादा महिलाओं ने इसे डाउनलोड किया, उनका व्हाट्सएप हैक हो गया।

जानकारी के अनुसार 16 अक्टूबर को महिला मंडल की एक सदस्य के मोबाइल पर उनकी दोस्त के नंबर से शादी का एक इनविटेशन कार्ड का लिंक आया था, जैसे ही उन्होंने लिंक पर क्लिक किया, वह खुला नहीं और कुछ ही देर बाद उनका व्हाट्सएप अपने आप अनइंस्टॉल हो गया। इसके बाद रात तीन बजे एक व्हाट्सएप कॉल भी आया, जिसके बाद फोन पूरी तरह से हैंग हो गया। सुबह जब उन्होंने जांच की तो पाया कि उनका फोन-पे ऐप हैक हो चुका है और एसबीआई अकाउंट से पैसे ट्रांसफर करने की कोशिश की गई थी। गनीमत रही कि बैंक के 2 फैक्टर सिक्योरिटी सिस्टम के कारण ठगी नहीं हुई।

महिला मंडल की सदस्य रीना जैन ने बताया कि वह सुबह किचन में काम कर रही थी, तभी ग्रुप में शादी का कार्ड आया। उन्हें लगा कि यह किसी परिचित की शादी का आमंत्रण है, लेकिन कुछ ही मिनटों बाद एक संदेश आया कि यह लिंक फर्जी है और किसी भी हालत में इसे क्लिक न करें। ऐसे में सभी सदस्य फिर सतर्क हो गई और सायबर हमले का शिकार होने से कई महिलाएं बच गई। इसी ग्रुप की एक अन्य सदस्य ललिता खमेसरा ने बताया कि जैसे ही उन्होंने लिंक पर क्लिक किया, उनका व्हाट्सएप अपने आप हट गया और फोन हैंग हो गया, जांच में सामने आया कि यह एपीके फाइल थी, जो डाउनलोड होते ही फोन का पूरा नियंत्रण सायबर ठगों के पास पहुंचा गया था। इस मामले की सूचना भीलवाड़ा सायबर सेल को दी गई है।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने लोगों को सलाह दी है कि वो किसी भी अनजान लिंक या आमंत्रण पत्र को डाउनलोड न करें, खासकर किसी भी तरह से भेजी गई जो फॉर्मेट में फाइल हो उससे सावधान रहे और यदि ऐसा होता है तो तत्काल इसकी सूचना सायबर सेल को दे।

मंदिर में चोरी की वारदात

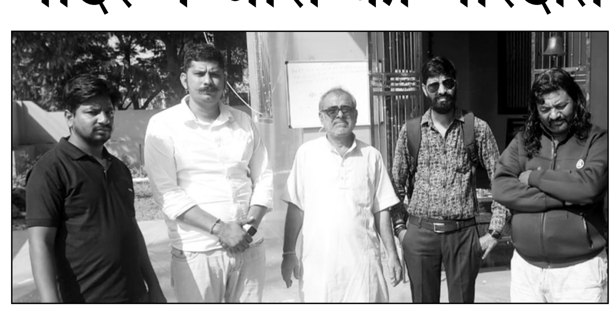

चोरी की वारदात को लेकर लोगों में आक्रोश है।

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र स्थित चंद्रशेखर आजाद नगर में रिंग रोड बालाजी के मंदिर पर बीती रात अज्ञात चोरों ने छत्र चोरी की वारदात को अंजाम दिया, सवेरे जब घटना का पता चला तो भक्तों में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में भक्ति मंदिर पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। मंदिर के भगवान लाल ने बताया कि रोजमर्रा की तरह कल मंदिर की तालेबंदी कर जब वह घर गए तब सब कुछ ठीक था। अल सवेरे जब पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे तो ताला टूटा हुआ था और हनुमान जी के सिर पर लगा छत्र अज्ञात चोर चुरा कर ले गए। उन्होंने बताया कि चोरी गया छत्र करीब 600 से 700 ग्राम चांदी का था। चोरी की यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है। जिसे फिलहाल प्रताप नगर थाना पुलिस ने अपने कब्जे में लेते हुए आरोपियों की पहचान करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। पुलिस अज्ञात चोरों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

पुष्कर मेला परवान पर : अश्व नृत्य देखने उमड़े पर्यटक

पुष्कर मेला मैदान पर अश्व नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

कबड्डी मैच में विदेशी और देशी टीमों ने भाग लिया।

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर मेला ऐसा है जहां पूरे भारत से आई घोड़ियां-घोड़े नृत्य करके सभी दर्शकों को दांतों तले अंगुलियों दबाने को मजबूर कर करता है। पुष्कर के मेला मैदान पर अश्व नृत्य प्रतियोगिता रखी गई जिसमें कई अश्वों ने भाग लिया। अश्वों ने कभी नागिन डांस किया तो कभी डिस्को डांस किया, तो कभी भांगड़ा, ओर घूमर डांस किया। इस कार्यक्रम को देखने पुष्कर मेला मैदान में खचाखच भर गया।

राजस्थान टूरिज्म विभाग की ओर से विदेशियों को राजस्थानी संस्कृति से अवगत कराने के लिए यह कार्यक्रम कराया जाता है। इसके पूर्व कबड्डी मैच का आयोजन रखा गया, जिसमें विदेशी और देशी टीमों ने भाग लिया इस मैच में देशी युवकों ने विदेशियों को हरा दिया और विजेता रहे। यह कार्यक्रम पशुपालन विभाग करवाता है। इस दौरान भी भारी भीड़ रही। राजस्थान की संस्कृति से विदेशी रुबरु हो सके इसके चलते यह कार्यक्रम करवाए जाते हैं। मेले के तीसरे दिन शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। रविवार सुबह कार्तिक स्नान के बड़े स्नान एकादशी से शुरू हो जाएंगे। हजारों श्रद्धालु आज से पांच दिन कार्तिक स्नान करके पुण्य कमाएंगे। आज के दिन ही देवस्थान विभाग और सामाजिक सहयोग से आध्यात्मिक यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा पुष्कर के गायत्री शक्ति पीठ से मेला ग्राउंड तक निकलेगी।

गजेंद्र सिंह राठौड़ ने पदभार संभाला

अजमेर, (कासं)। राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी श्री गजेंद्र सिंह राठौड़ ने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सचिव पद का कार्यभार ग्रहण किया। राठौड़ इससे पूर्व अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने प्रशासनिक कार्यों में दक्षता, जनसंपर्क में सक्रियता और विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से उल्लेखनीय भूमिका निभाई। राठौड़ ने कहा कि बोर्ड की कार्यप्रणाली को और अधिक पारदर्शी, समयबद्ध एवं परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता एवं परीक्षा प्रबंधन की विश्वसनीयता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। इस अवसर पर बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कार्मिकों ने उनका स्वागत किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

कटारिया को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की मांग

के के गुप्ता ने गुलाबचंद कटारिया से मुलाकात की।

उदयपुर, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और डूंगरपुर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष के के गुप्ता ने पंजाब के राज्यपाल और राजस्थान के कद्दावर नेता गुलाब चंद कटारिया को भाजपा का राष्ट्रीय बनाने की पुरजोर मांग की है।

गुप्ता ने कहा कि भाजपा दक्षिण और पश्चिम भारत से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में चल रही है, ऐसे में राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उत्तर भारत के अनुभवी नेता का चयन क्षेत्रीय संतुलन और संगठनात्मक एकता को और मजबूत करेगा। इस दृष्टि से कटारिया का नाम स्वाभाविक रूप से प्रासंगिक बनता है। गुप्ता ने कहा है कि भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद को लेकर चल रही संभावित मंथन और उत्तर एवं दक्षिण भारत से अध्यक्ष बनाने की खींचतान के बीच पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया सबसे उपयुक्त नेता है। वे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के निष्ठावान स्वयंसेवक होने के साथ ही उनके लंबे राजनीतिक अनुभव, संगठनात्मक पकड़ और वैचारिक निष्ठा के कारण उन्हें इस पद के लिए एक संतुलित और स्वाभाविक दावेदार माना जा सकता है। गुलाब चंद कटारिया की छवि और कार्यशैली इस भूमिका के लिए उपयुक्त प्रतीत होती है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद को लेकर चल रही आंतरिक चर्चा में गुलाब चंद कटारिया का नाम केवल एक राजनीतिक संभावना नहीं, बल्कि एक संतुलित विकल्प के रूप में उभरता है।

किन्नर समुदाय ने मंदिर में 16 तोला सोना का छत्र चढ़ाया

नागौर, (निसं)। नागौर स्थित माली समाज में पिछले 25 अक्टूबर से अखिल भारतीय किन्नर समाज का महा सम्मेलन प्रारंभ हुआ था। अखिल भारतीय किन्नर समाज के द्वारा शनिवार सुबह माली समाज से स्वर्ण कलश यात्रा का आयोजन किया गया, यह शोभायात्रा माली समाज से प्रारंभ होकर नागौर नगरसेठ बंशीवाला मंदिर तक निकाली गई। शोभायात्रा माली समाज भवन से प्रारंभ होकर विजयवल्भ चौक, दिल्ली दरवाजा, गांधी चौक, सदर बाजार, मच्छियों का चौक होते हुए बंशीवाला मंदिर पहुंची। शोभायात्रा के दौरान शहर में जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत हुआ और शहरवासियों ने पुष्प वर्षा की गई। अखिल भारतीय किन्नर समाज के द्वारा बंशीवाला मंदिर में 16 तोला सोने का छत्र चढ़ाया गया। अखिल भारतीय किन्नर समाज की शोभायात्रा बग्घियां, ऊंट गाड़ी सहित शाही लाव-लश्कर के साथ शोभायात्रा निकाली गई। स्वर्ण कलश यात्रा में शहर वासियों ने जगह-जगह किन्नर समुदाय का पुष्प वर्षा से स्वागत भी किया।

- अखिल भारतीय किन्नर समाज ने स्वर्ण कलश यात्रा निकाली
- स्वर्ण कलश यात्रा में शहर वासियों ने जगह-जगह किन्नर समुदाय का पुष्प वर्षा से स्वागत भी किया

अखिल भारतीय किन्नर समाज के महासम्मेलन के दौरान कलश यात्रा का आयोजन हुआ।

मजदूरी बढ़ाने की मांग, सफाई कर्मी हड़ताल पर

- जेएलएन अस्पताल के महिला सफाई कर्मचारियों ने तीन सौ रुपए प्रतिदिन मजदूरी देने तथा हर माह की दस तारीख तक भुगतान की मांग की, मांगें नहीं मामने पर 11 नवंबर से कार्य बंद करने की चेतावनी दी

अजमेर, (निसं)। संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू अस्पताल की महिला सफाई कर्मचारी शनिवार को हड़ताल चली गई। सफाई कर्मचारियों ने तीन सौ रुपए प्रतिदिन मजदूरी देने तथा हर माह की दस तारीख तक भुगतान की मांग करते हुए काम बंद कर दिया। अस्पताल प्रशासन द्वारा समझाइश का दौर जारी रहा।

जेएलएन अस्पताल की सफाई व्यवस्था का काम नई एजेंसी को ठेका दिया है। अस्पताल के सफाई कर्मचारी शनिवार सुबह से ही हड़ताल पर चले गए, जिसके चलते अस्पताल परिसर में सफाई कार्य पूरी तरह ठप हो गया। वार्डों, ओपीडी और इमरजेंसी विभाग में गंदगी से मरीजों और परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं हड़ताली सफाई कर्मचारियों ने बताया कि अस्पताल की सफाई व्यवस्था का ठेका नए ठेकेदार को दिया गया है। कर्मचारियों ने कहा कि नए ठेकेदार से कर्मचारियों को प्रतिदिन 300 रुपए की हाजिरी देने तथा तनख्वाह का भुगतान एक से 10 तारीख के बीच करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं होता है तो 11 नवंबर से सभी सफाई कर्मचारियों द्वारा सफाई कार्य को बंद कर दिया जाएगा, उन्होंने बताया कि इस मामले में जब तक ठेकेदार द्वारा कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा, तब तक सफाई कर्मचारी सफाई कार्य नहीं करेंगे।

वहीं अस्पताल की बिगड़ी व्यवस्था को लेकर जेएलएन अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे ने कहा कि सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगे रखी है और सफाई एजेंसी से बताकर उनकी मांगों का समाधान निकाला जाएगा।

बस पेड़ से टकराई, 30 घायल

भुसावर/भरतपुर, (निसं)। भुसावर के खेड़ली मोड़ थाना इलाके में उत्तर प्रदेश रोडवेज की बस अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। बस में 70 यात्री मौजूद थे। जिसमें से 30 यात्री घायल हो गए। पांच गंभीर घायलों को जयपुर रेफर कर दिया गया है। बाकी सभी का इलाज महुआ अस्पताल में जारी है।

जानकारी के अनुसार बस जयपुर से आगरा की तरफ जा रही थी। बस इतनी रफ्तार में थी कि बस पेड़ से टकराने के उसे चीरते हुए आगे निकल गई। आगरा डिपो की बस जयपुर से आगरा की तरफ जा रही थी। खेड़ली मोड़ थाना इलाके में बस अचानक अनियंत्रित हुई और, रोड़ किनारे बबूल के पेड़ से टकरा गई। बस के पेड़ से टकराते ही मौके पर चीख पुकार मच गई। तुरंत राहगीरों ने घटना की सूचना खेडली मोड थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने 7 एम्बुलेंस से 30 घायलों को महुआ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां 5 यात्रियों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें जयपुर रैफर कर दिया गया है। घटना में ड्राइवर और कंडक्टर के भी चोटें आई हैं।

छबड़ा क्षेत्र के किसानों में इन दिनों चिंता का माहौल व्याप्त है। खेतों में काटकर इकट्ठे किए गए मक्का के भुट्टे लगातार हो रही बारिश एवं मौसम के असामान्य बदलाव के कारण अंकुरित हो रहे हैं। इससे किसानों की मेहनत पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

टायर फटने से वैन असंतुलित होकर बोलेरो से टकराई, दो बालिकाओं की मौत

हादसा इतना भयंकर था कि कुछ स्कूली बच्चे वैन में फंस गये एवं कुछ बच्चे दूर जाकर गिर गये

कोटा/इटावा, (निसं)। इटावा थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में दो स्कूली बच्चों की मौत हो गई एवं करीब 10 स्कूली बच्चे घायल हो गए। सभी घायलों को इटावा के चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां से गंभीर घायल छह बच्चों को कोटा रैफर कर कोटा के एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसा इतना भंयकर था कि कुछ स्कूली बच्चे वैन में फंस गये एवं कुछ बच्चे दूर जाकर गिर गये।

पुलिस उप अधीक्षक शिवम जोशी ने बताया कि स्कूली वैन बच्चों को लेकर गेंता से इटावा के निजी स्कूल हैप्पी एंड जॉयनेस छोड़ने जा रही थी। पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि गेंता और इटावा के बीच गेंता रोड पर अचानक से वैन का टॉयर फटने से वैन असंतुलित होकर सामने से आ रही बोलेरो से टकरा गई। वैन में 12 स्टूडेंट एवं एक चालक सवार था, जिसमें से दो स्कूली छात्राओं जिसमें से एक चौथी क्लास की छात्रा पारूल एवं दसवीं क्लास की छात्रा तनु नागर की मौत हो गई, हादसे में घायल वैन चालक सहित घायल स्कूली बच्चों को कोटा रैफर किया गया एवं बाकि बच्चों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

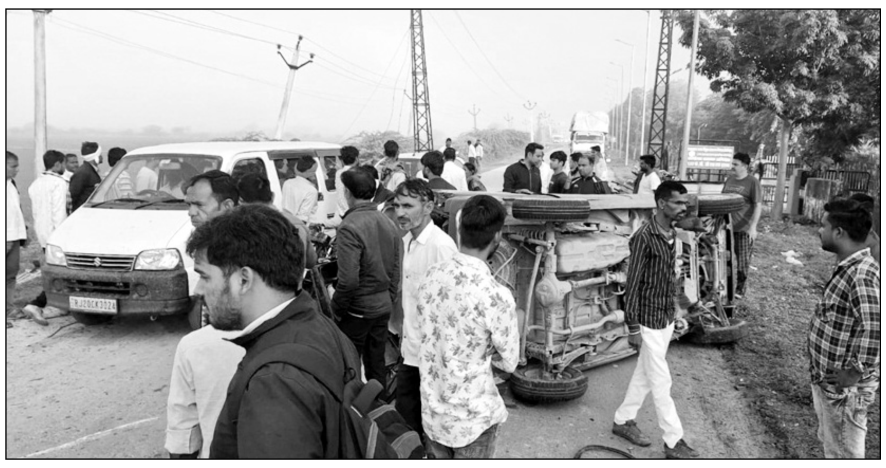

इटावा क्षेत्र में स्कूली वैन पलटने के बाद मौक पर लोगों बचाव कार्य शुरु किया।

पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा ने बताया कि स्कूली वैन इटावा के गुमानपुरा में स्थित एक प्राईवेट स्कूल के बच्चों को लेकर शनिवार सुबह स्कूल छोड़ने जा रही थी। रास्ते में वैन का टायर फटने से असंतुलित होकर सामने से आ रही बोलेरो से टकरा गई जिससे दोनों वाहन मौके पर पलट गये। हादसे में दो बच्चों की मौत हो गई है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मामला दर्ज कर मामले में अनुसंधान किया जा रहा है। वहीं हादसे की सूचना मिलते ही पीपल्दा विधायक चेतन पटेल, भाजपा देहात जिलाध्यक्ष प्रेमचंद गोचर, इटावा नगर पालिका अध्यक्ष रजनी सोनी भी अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी ली साथ ही हादसे में मृतक बच्चों के परिजनों को सांत्वना दी।

हादसे में घायलों में भूमिका ग्वालियरा (13), रोनित नागर (11), प्राची नागर (10), सागर सुमन (13), खनन नागर (8), हिमानी आकोदिया (8) निवासी गेंता की हालत गंभीर होने पर कोटा रैफर किया गया जहां इनका उपचार किया जा रहा है। वहीं परिधि शर्मा, कियान आर्य, सुनिधि शर्मा, पीयूष कलवार को प्राथमिक उपचार के बाद घर भिजवा दिया।

शिक्षा मंत्री अस्पताल पहुंचेः- हादसे की सूचना मिलते ही शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर तत्काल महाराव भीम सिंह चिकित्सालय पहुंचे और अस्पताल में भर्ती घायल बच्चों की कुशलक्षेम पूछी। शिक्षा मंत्री ने बताया की सभी भर्ती घायल खतरे सें बाहर है। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने अस्पताल में भर्ती सभी बच्चों को देखा और उनके परिजनों सें बात की।

- **हादसे में 10 स्कूली बच्चे घायल, सभी को इटावा के चिकित्सालय में भर्ती कराया, छह बच्चे कोटा रेफर**
- **शिक्षा मंत्री मदन दिलावर तत्काल चिकित्सालय पहुंचे और घायल बच्चों की कुशलक्षेम पूछी**

मंत्री दिलावर ने चिकित्सकों को सभी घायलों को समुचित उपचार और चिकित्सकीय देखभाल करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि घायलों के उपचार में किसी भी प्रकार की कोई कमी या कोताही नहीं बरती जाए। हादसे की सूचना मिलते ही अस्पताल में जिला कलेक्टर पीयूष सामरिया, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉक्टर संगीता सक्सेना, महाराव भीम सिंह अस्पताल के अधीक्षक धनराज मीणा, संयुक्त निदेशक शिक्षा कोटा संभाग रुपेश मीणा, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा रामचरण मीणा सहित प्रशासनिक अधिकारी व डॉक्टर मौजूद थे।

ट्रोला ने बाइक को मारी टक्कर, दंपती की दर्दनाक मौत

इटावा, (निसं)। इटावा स्टेट हाइवे वन ए पर गैंता रोड आनासर के पास एक कंटेनर ट्रोला ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर सवार दंपती की टायर के नीचे आने से मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उनके साथ बैठा उनका 7 वर्षीय बालक उछल कर दूर जा गिरा जिसके कारण हल्की चोट आई और सुरक्षित बच गया, जिसको उपचार के लिए इटावा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना की सूचना के बाद इटावा डीएसपी शिवम जोशी और पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचे और शवों को इटावा अस्पताल की मोर्चरी में लाया गया।

- **सात वर्षीय बालक उछलकर दूर जा गिरा और सुरक्षित बच गया**

इटावा डीएसपी शिवम जोशी ने बताया कि धर्मराज मीना (35) वर्ष पत्नी कृष्णा (33) वर्ष व पुत्र अक्षत 7 वर्ष के साथ मांगरोल जिला बारां से जयपुर जा रहा था। इस दौरान इटावा-गैंता के बीच गैंता की ओर से आ रहे कंटेनर ट्रोला ने टक्कर मार दी जिससे धर्मराज व उसकी पत्नी कृष्णा के ट्रोले के नीचे आने से मौके पर ही मौत हो गई। पुत्र अक्षत घायल है जिसका उपचार किया जा रहा है। मृतकों के शवों का इटावा उपजिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपर्द कर दिया।

मृतक धर्मराज के भतीजे बंटी मीना ने बताया कि धर्मराज पिछले चार साल से जयपुर में अपने परिवार के साथ रहता था, जो जयपुर में पेंटिंग और मजदूरी का काम करता था। दीपावली पर अपने गांव आया था। हंसी खुशी दीपावली का त्यौहार मनाया और अपने ससुराल से शनिवार सुबह बाइक से जयपुर के लिए रवाना हुए थे कि इटावा के पास दुर्घटना की सूचना मिली जिसके बाद परिवार जनों का रो-रो कर हाल बुरा हो रहा है।

युवक की हत्या के तीन आरोपियों का पुलिस ने जुलूस निकाला

अलवर, (निसं)। अलवर के गोविंदगढ़ में रेलवे फाटक के पास मेले में मोमोज की दुकान पर झगड़े के दौरान 22 साल के युवक की छुरा घोंपकर हत्या करने के तीन आरोपियों का शनिवार को पुलिस ने जुलूस निकाला। दो आरोपी जुलूस में लंगड़ाते हुए निकले। अभी कई आरोपियों की तलाश जारी है। हत्या के बाद अलवर जिला अस्पताल में मेव समाज के लोगों विरोध किया था। आरोपियों के घर बुलडोजर चलाने की मांग की थी।

घटना 29 अक्टूबर की रात करीब आठ बजे की थी। जब गोविंदगढ़ में रेलवे फाटक के पास लगे मेले में कुछ युवाओं के बीच झगड़ा हुआ था। उस समय एक युवक पर बर्फ तोड़ने वाले छुरे से हमला कर दिया। सीने में छुरा घुसने से गोविंदगढ़ क्षेत्र के खेड़ी बहादुर गांव निवासी वकार (20) पुत्र फकरुद्दीन की मौत हो गई थी। वह अपने दोस्त तालीम, अरशद और बरकत के साथ गोविंदगढ़ में लगे ट्रेड फेयर में घूमने गया था। वहां मोमोज की दुकान पर तालीम का छैल बिहारी से झगड़ा हो गया।

- **मेले में मोमोज की दुकान पर झगड़े के दौरान युवक की छुरा घोंपकर हत्या कर दी थी**

छैलबिहारी के साथ राजेश, रविंद्र, बलदेव, केदार, खेमू व रवि सहित तीन-चार अन्य युवक भी थे। वकार ने बीच-बचाव करने लगा। इसी दौरान छैलबिहारी ने छुरा मार दिया था। इससे वकार लहूलुहान होकर गिर गया। उसे गोविंदगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे अलवर रेफर कर दिया। वहां उसकी मौत हो गई। उसके अगले दिन जिला अस्पताल में मेव समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया था। अलवर मेव बोर्डिंग के पूर्व सदर शेर मोहम्मद ने चेताया था कि सबकी तुरंत गिरफ्तारी हो। आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाया जाए। जैसे पहले हुई एक हत्या के मामले में अवैध निर्माण हटाया गया था।

डोडा-चूरा तस्कर को 20 वर्ष का कठोर कारावास

भीलवाड़ा, (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश (एनडीपीएस प्रकरण) जगदीश प्रसाद शर्मा ने अफीम डोडा-चूरा तस्करी के एक मामले में आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास और 2 लाख रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

- **ट्रैक्टर-ट्रॉली में गिट्टी के निचे लगभग 414 किलो डोडा-चूरा बरामद हुआ था**

पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया।

जानकारी के अनुसार कार्यवाहक बीगोद थानाधिकारी रोहिताश देवंदा को सूचना मिली थी कि नन्दराय रोड से गुजरने वाली एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में अफीम डोडा-चूरा भरा हुआ है। सूचना पर पुलिस टीम ने गोविन्दपुरा-नन्दराय रोड पर नाकाबंदी की। थोड़ी देर बाद एक स्वराज ट्रैक्टर मय ट्रॉली दिखाई दिया, जिसे रोककर चालक से पूछताछ की गई तो चालक ने खुद को मुकेश बैरवा पिता शंकर लाल बैरवा निवासी जोजवा होना बताया। ट्रैक्टर-ट्रॉली में गिट्टी भरी हुई थी, जिसे हटाकर तलाशी ली गई तो उसके नीचे 20 प्लास्टिक की थैलियां मिली, जिनमें अफीम डोडा-चूरा भरा हुआ था। डोडा-चूरा का वजन लगभग 414 किलो 500 ग्राम हुआ। मौके पर आरोपी मुकेश बैरवा को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच के बाद पुलिस ने न्यायालय में चार्जशीट पेश की। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक रामस्वरूप गुर्जर ने 12 गवाह और 109 दस्तावेज प्रस्तुत किए। साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

मंडोर मंडी में नकली के संदेह में घी पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। शहर के मंडोर मंडी परिसर में पुलिस की क्राइम स्पेशल टीम ने एक फर्म पर रेड दी। वहां पर नकली घी का कारोबार होने के संदेह में कार्रवाई की गई। मौके से भारी मात्रा में घी पैंकिंग का सामान मिला। 37 टिन घी भी मिला है। घी की सैंपलिंग भी मौके पर की गई। फिलहाल घी की गुणवत्ता के बाद ही पता लगेगा कि वह सही है या नकली है। मौके से पैंकिंग मशीन भी मिली है।

पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश के दिशा निर्देश पर मंडोर मंडी परिसर में एक फर्म पर रेड दी गई। पुलिस को वहां नकली घी तैयार होने और रखे जाने की जानकारी मिली थी। इस पर पुलिस की सीएसटी ने वहां रेड दी। फर्म में 37 टिन घी रखा हुआ था, जिसकी सैंपलिंग की गई। फर्म काफी अंदर तक फैली होने पर वहां से काफी सामग्री भी जब्त की गई। दोपहर तक प्रकरण दर्ज नहीं हो पाया था। प्रकरण दर्ज के उपरांत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

एवरग्रीन इन्फोसॉफ्ट प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी पर 60 करोड़ की ठगी का आरोप

- **कंपनी के प्रतिनिधियों ने शेयर बाजार में निवेश के नाम पर निवेशकों से रुपये ऐंठे**
- **जोधपुर के प्रोपर्टी दलाल और परिचितों से तीन करोड़ की ठगी, केस दर्ज**

जोधपुर, (कासं)। शहर के प्रोपर्टी दलाल और ठेकेदारी का काम करने वाले व्यक्ति से लाखों रूपए की ठगी एवरग्रीन इन्फोसॉफ्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा करने का मामला सामने आया है। कंपनी के प्रतिनिधियों ने शेयर बाजार में निवेश के नाम पर उससे रूपए ऐंठ लिए, मगर ना तो लाभांश मिला और ना ही मूल रकम वापिस मिल पाई। बताया जाता है कंपनी ने कई लोगों से शेयर में निवेश के नाम पर करीब 60 करोड़ रूपए ऐंठे हैं। जोधपुर के प्रोपर्टी दलाल-ठेकेदार की तरफ से महामंदिर थाने में अब रिपोर्ट दी गई है। नंदवान, सालावास निवासी पुरूषोत्तम मारू पुत्र फूकाराम ने यह रिपोर्ट दी है।

रिपोर्ट के अनुसार वह प्रोपर्टी की दलाली एवं मकानो के निर्माण के ठेकेदारी का कार्य करता है। उसके पूर्व परिचित घनश्याम अग्रवाल निवामी नागौरी गेट ने फोन कर बताया कि कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने मिलकर एक बहुत बड़ी कम्पनी का निर्माण किया है जो कि शेयर बाजार में राशि का निवेश कर बड़ा मुनाफा कमाती है। मासिक लाभांश के तौर पर 4 से 8 प्रतिशत मासिक का भुगतान निवेशकों को करती है तथा मूल जमा धनराशि को पुनर्भुगतान करने की भी गारंटी लेती है, जिसमें चैक देकर व स्टाम्प देकर विश्वास में लेती है। बाद में पुरूषोत्तम बातों में आकर मानजी का हत्था स्थित ऑफिस पर 20 जुलाई 2022 को पहुंचा, जहां पर नरपतराम चौहान, नरेन्द्र कुमार गहलोत, जितेन्द्र, महेन्द्र तथा हीरालाल ट्रेडर व अन्य लोग मिले। इन लोगों ने किसी रामलाल चौधरी आदि के करोड़ों रूपए निवेश होने तथा उनको लाभांश वितरण के दस्तावेजात दिखाये। झांसे में आए पुरूषोत्तम ने 21 जुलाई 2022 को नगद 12 लाख रूपए उन्हे दिए। उसे पुरस्कार दिलाने और अन्य लोगों से मिलवाने के लिए कहा गया। इस तरह परिचितों व रिश्तेदारों द्वारा इन सभी अभियुक्तों की बातों में आकर एवं प्रलोभन में लेकर करीब तीन करोड़ रूपये का निवेश कम्पनी में करवा लिया। आरोपियों ने पीड़ित का एकाउंट का सारा ऐक्सेम (अधिकार) अपने पास रखा और जिसकी जीएसटी टैक्स भी इन्हीं कम्पनी के मालिकों द्वारा जमा करवाई जाती। पीड़ित को बाद में परिचित घनश्याम ने बताया कि इन लोगों ने दुबई में भी ऑफिस खोल रखा है तथा यह गैर कानूनी फोरेक्स मार्केट में राशि लगाकर ट्रेडिंग कर लांभाश देते हैं। इन सभी को गैर कृत्य नहीं करने और मेरे व मेरे परिवार व परिचित निवेशकों की मूल राशि लौटाने को कहा तब वे धमकाने लगे। अक्टूबर 2024 से ना तो लांभाश दिया और ना ही मूल रकम को लौटाया। आरोप है कि कंपनी में निवेश के नाम पर अन्य कई राज्यों में ठगी की गई है और करीब 60 करोड़ रूपए लोगों से ऐंठे गए हैं।

ग्रामीणों ने बजरी माफिया के खिलाफ मोर्चा खोला

ग्रामीणों ने गांव से गुजर रही बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को रोका

टोंक, (निसं)। टोडारायसिंह उपखंड के पंवालिया गांव में अवैध बजरी परिवहन से परेशान ग्रामीणों ने बजरी माफिया के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए ग्रामीणों ने गांव से गुजर रही करीब एक दर्जन बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को रोक दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने सभी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भरी बजरी को बालाजी मंदिर निर्माण स्थल पर खाली करवाया और उन्हें वापस भेज दिया।

- **ग्रामीणों ने सभी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भरी बजरी को खाली करवाया**

ग्रामीणों ने बताया कि अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ कई बार शिकायतें की गई थीं, लेकिन पुलिस प्रशासन की ओर से कोई कार्यवाही नहीं हुई। इसके बाद ग्रामीणों ने एकजुट होकर यह कदम उठाया। घटना के दौरान ग्रामीणों ने मोर थाना पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस समय पर मौके पर नहीं पहुंची। इससे ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ट्रैक्टर चालक दिन-रात तेज गति से गांव से गुजरते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है, वहीं तेज आवाज में टेप रिकॉर्डर बजाने से भी परेशानी होती है जिसके बाद ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि अब गांव से किसी भी अवैध बजरी ले जाने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली को गुजरने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से अवैध बजरी परिवहन पर सख्त कार्यवाही करने और पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

4000 नशीले कैप्सूल जब्त

पदमपुर, (निसं)। घमुड़वाली पुलिस ने गश्त के दौरान 4000 प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल के साथ चार युवकों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई थाना प्रभारी सीआई रघुवीर सिंह बीका के नेतृत्व में घमुड़वाली क्षेत्र में की गई। पुलिस ने बताया कि 12 मासी नहर के पास गश्त के दौरान एक बाइक पर सवार चार युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिए। पुलिस टीम ने रोककर पूछताछ की, लेकिन वे जवाब नहीं दे पाए। तलाशी लेने पर उनके पास से 20 डिब्बों में भरे 4000 नशीले कैप्सूल बरामद हुए।

दिल्ली-जयपुर गरीब रथ के कोच के नीचे आग लगी

अलवर, (निसं)। अलवर के तिजारा फाटक के पास दिल्ली से जयपुर की ओर जा रही गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन के एक कोच के नीचे करीब 11.45 बजे अचानक आग लग गई। कोच से धुआं उठता देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन झटके के साथ रुक गई। इसके बाद यात्री घबराकर नीचे उतर गए। सूचना मिलते ही ट्रेन कर्मचारी और इलेक्ट्रिशियन मौके पर पहुंचे। जांच में पाया गया कि कोच के ब्रेक चिपक गए थे, जिससे नीचे आग लग गई। ट्रेन में लगे फायर सिस्टम से आग पर तुरंत काबू पा लिया गया। कर्मचारियों ने करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद कोच के ब्रेक सही किए।आग पर नियंत्रण के बाद यात्रियों को फिर से ट्रेन में बैठाया गया। इसके बाद ट्रेन को सुरक्षित रूप से रवाना किया गया, जो अलवर जंक्शन पहुंचने के बाद आगे जयपुर-अजमेर मार्ग के लिए निकल गई।

- **हादसे के बाद ट्रेन झटके के साथ रुक गई, यात्री घबराकर नीचे उतर गए**
- **जांच में पाया गया कि ट्रेन के कोच के ब्रेक चिपक गए थे, जिससे नीचे आग लग गई**

रेल कर्मचारियों ने मशक्कत के बाद कोच के ब्रेक सही किए।

दिल्ली से आए यात्री महेंद्र ने बताया कि ट्रेन अलवर स्टेशन से लगभग दो किलोमीटर पहले झटके के साथ रुकी थी। यात्री नीचे उतरे तो कोच के नीचे से सफेद धुआं निकलता दिखाई दिया। ट्रेन के इलेक्ट्रिशियन सर्वेश चतुर्वेदी ने बताया कि घटना में किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, एहतियातन फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची थी, लेकिन तब तक कर्मचारियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया था।

स्टेशन मास्टर राजेश मीणा का कहना है कि अलवर से पहले खैरथल स्टेशन से चलने के बाद यात्रियों ने ट्रेन की चेन खींच दी। इसके बाद पहिए के पास लगी लबड़ गर्म हो गई। इसकी वजह से धुंआ उठा। अलवर शहर के पास बने रेलवे के केबिन के पास ट्रेन रुक गई। इसके बाद आग पर काबू पाया। जीआरपी थाने के एएसआई सत्येंद्र कुमार ने बताया कि ट्रेन के जी 7, जी 8 और जी 15 के कोच के पास आग लगी थी। इसके बाद यात्री ट्रेन से नीचे उतर गए, जो अलवर जंक्शन पर उतरने वाले थे, वो वहीं से उतर कर चले गए।

लुधियाना में आतंकी हमले करने के षड्यंत्र में शामिल होने की आशंका, एक गिरफ्तार

- **मामले में पंजाब पुलिस ने श्रीगंगानगर कारागृह से विजयसिंह उर्फ कप्तान पुत्र मंगलसिंह को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया**
- **पंजाब पुलिस ने देर रात को लुधियाना में एक ग्रेनेड बरामद किया था, यह ग्रेनेड मंगवाए जाने की साजिश के मास्टरमाइंड अजय मलेशिया की पहचान में पुलिस जुटी है**
- **लुधियाना पुलिस के अनुसार बरामद हुआ हैंड ग्रेनेड मैड इन चाइना है, लेकिन प्रांरभिक छानबीन में पता चला कि यह पाकिस्तान से भारत पहुंचा**
- **अजय सिंह के हेरोइन तस्कर भाई को प्रोडक्शन वारंट पर श्रीगंगानगर से ले गई पंजाब पुलिस**

श्रीगंगानगर, (निसं)। लुधियाना में छठ पर्व पर आतंकी हमले करने के षड्यंत्र में शामिल होने की आशंका में पंजाब पुलिस ने श्रीगंगानगर कारागृह से विजयसिंह उर्फ कप्तान पुत्र मंगलसिंह को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। पंजाब पुलिस विजय को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई है। पंजाब पुलिस ने देर रात को लुधियाना में एक ग्रेनेड बरामद किया था। यह ग्रेनेड मंगवाए जाने की साजिश के मास्टरमाइंड अजय मलेशिया की पहचान में जुटी है।

विजयसिंह उर्फ कप्तान पुत्र मंगलसिंह मजबीसिख निवासी धरिंगांवाली पुलिस थाना केसरीसिंहपुर हेरोइन तस्करी के मामले में विचाराधीन बंदी है। मटीलीराठान पुलिस ने अगस्त के पहले सप्ताह में दौलतपुरा क्षेत्र के खेतों में एक पैकेट बरामद किया था। इसमें 522 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। बाद में हिंदुमलकोट थाना के जांच अधिकारी ने प्रकरण की जांच करते हुए विजयसिंह, करणवीरसिंह, गगनदीप, हरमेशसिंह रमदासिया और खुशप्रीतसिंह जटसिख को गिरफ्तार किया था। खास बात यह है कि विजय का भाई अजय सिंह मलेशिया में है। प्रारंभिक छानबीन में पुलिस को आशंका है कि हैंड ग्रेनेड भिजवाने की साजिश में विजय और उसका भाई अजय भी शामिल हैं। ये दोनों सगे भाई धरिंगवाली के निवासी है। इनकी उम्र 20 से 27 साल के बीच बताई जा रही है। पुलिस अजय के चचेरे भाई करणवीर से भी पूछताछ रही है।

सूत्रों के मुताबिक जांच के दौरान सबसे बड़ा नाम सामने आया है अजय, जो फिलहाल मलेशिया में रह रहा है। सूत्रों के अनुसार, अजय ही इस पूरे मॉड्यूल को विदेश से संचालित कर रहा है और पंजाब में सक्रिय कोरियर ब्वॉय को निर्देश देता है। सूत्रों का दावा है कि अजय का सीधा संबंध आईएसआई से है। अजय ही जेल में बंद आरोपियों के संपर्क में था और वहीं से नए कोरियर ब्वॉय हायर किए जा रहे थे। पुलिस का अब फोकस इस पूरे मॉड्यूल के कमांड सेंटर पर है, यानी मलेशिया कनेक्शन और जेल लिंक दोनों की गहराई से जांच की जा रही है। ग्रेनेड मिलने के मामले में सूत्रों से पता चला कि पंजाब में सतलुज नदी पर छठ पूजा समारोह को टारगेट किया जाना था।

लुधियाना के एसीपी नार्थ कीकर सिंह ने भीड़ वाले इलाके में हमले की बात की पुष्टि की है। पकड़े आरोपियों को अमृतसर बॉर्डर एरिया से हैंड ग्रेनेड लेकर लुधियाना तक पहुंचाने का जिम्मा दिया गया था। लुधियाना में जालंधर बायपास के पास टाइगर सफारी के नजदीक उक्त बम छिपाया जाना था। वहां से बम को आगे सतलुज नदी के पास कोई अन्य व्यक्ति लेकर जाने वाला था। बम लेकर सभी युवक शनिवार को ही लुधियाना के शिवपुरी इलाके में छुप गए थे। जब रविवार रात बम लेकर टाइगर सफारी की तरफ जा रहे थे तभी पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि दो फरार हो गए थे, जिन्हें बाद में गिरफ्तार किया गया।

धिरंगावाली के अजय व विजय का चचेरा भाई भी पंजाब पुलिस की गिरफ्त में : लुधियाना में ग्रेनेड मामले में गिरफ्तार पांच आरोपियों से पूछताछ के बाद पंजाब पुलिस मास्टरमाइंड अजय मलेशिया की पहचान में जुटी है। पुलिस पिछले चार-पांच दिन में अलग-अलग जेलों से तीन युवकों को प्रोडक्शन वारंट अपने साथ ले गई। इनमें करणवीर भी शामिल है। जिस वाट्सएप नंबर से अजय पांचों युवकों के संपर्क में था। उस नंबर को भी पुलिस ट्रेस करने में जुटी है। अभी तक पकड़े गए आरोपी कुलदीप, शेखर सिंह, अजय कुमार, परमिंदर सिंह और रमनीक सिंह से खुलासा हुआ था कि अजय पंजाबी बोलता है। वह अक्सर पंजाबी में ही इन्हें कमांड देता रहा है। पंजाब पुलिस की पूछताछ में खुलासा हुआ है कि पकड़े गए कुलदीप और शेखर सिंह दोनों को ग्रेनेड रखने के बाद फोटो खींचने का टारगेट मिला था। ग्रेनेड चलाने वाले कोई और ही थे, जिन्होंने बीते रविवार की रात को ही चिह्नित जगह से ग्रेनेड ले जाकर भीड़ भरे क्षेत्र में धमाका करना था। पुलिस टीमें अमृतसर में भी छानबीन कर रही है, जहां कुछ संदिग्ध युवकों के बारे अधिकारियों को क्लू मिले।

लुधियाना पुलिस ने रविवार की देर रात को कुलदीप को वहां शिवपुरी चौक से गिरफ्तार कर बैग से हैंड ग्रेनेड बरामद किया था। मौके से अजयकुमार व शेखर फरार हो गए थे। इस मामले में लुधियाना पुलिस ने अजय कुमार व शेखर को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया था। बाद में रमनीक व परविंदर को लाया गया। लुधियाना पुलिस के अनुसार बरामद हुआ हैंड ग्रेनेड मैड इन चाइना है, लेकिन प्रांरभिक छानबीन में पता चला कि यह पाकिस्तान से भारत पहुंचा।

अजमेर रेल मंडल में डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट अभियान शुरु

अजमेर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के अजमेर रेल मंडल में पेंशनरों के लिए एक नवंबर से नेशनवाइड डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट कैंपेन 4.0 की शुरुआत की गई है, जिसके तहत 4 नवम्बर से मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों और बैंक परिसरों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह अभियान मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा के निर्देशों के अधीन वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक अशोक कुमार मीणा के नेतृत्व में चलाया जा जाएगा। रेलवे पेंशनरो के लिए "डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र 4.0" कैंप का आयोजन नवम्बर 2025 में बैंकों में दिए जाने वाले जीवन प्रमाण पत्र को डिजिटल रूप से सत्यापन करने व डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाने की प्रक्रिया सिखाने हेतु अजमेर मंडल द्वारा निर्धारित तिथियों को अलग-अलग उपयुक्त स्थानों पर कैंप लगाया जा रहा है। जिसमें रेलवे के पेंशनरों को अपने नजदीकी कैंप में निर्धारित तिथि को समय सुबह 10 से 5 बजे तक डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाने की प्रक्रिया सिखने व डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाने के लिए साथ में आधार कार्ड, खाता सं., पीपीओ प्रति व मोबाइल लाना होगा।

सार-समाचार

दीपावली मिलन व तुलसी पूजन कार्यक्रम संपन्न

अजमेर(कासं)। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महा सम्मेलन जिला शाखा अजमेर की महिला अध्यक्ष वर्षा फतेहपुरिया ने बताया कि महिला समिति की ओर से शनिवार को तुलसी पूजन और दिवाली मिलन एवं म्यूजिकल अंताक्षरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला समिति द्वारा इस अवसर पर तुलसी जी के गमले को दुल्हन की तरह सजाया गया और उनका पूजन आरती की गयी इस अवसर पर उपस्थित प्रत्येक समिति की प्रत्येक सदस्य को तुलसी पौधा भी वितरित किया गया। एक निजी होटल में इस कार्यक्रम में शामिल सभी महिला सदस्यों ने एक दूसरे को दिवाली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर हुई म्यूजिकल अंताक्षरी में सभी ने धूम मचा दी। एक से बढ़कर एक गानों पर सब जमकर नाचे और आनंद लिया। इसमें चार टीम बनाई गई फुलझड़ी, रोशनी, पटाखा एवं एटम बम। कई तरह के राउंड हुए अनेक सवाल पूछे गए सभी का उत्तर गाना ही था। कार्यक्रम में ममता बोथरा, पूनम बैराठी, पूर्वी अठावाल, सोना गर्ग, अरुणा जिंदल, रुचिका विजयवर्गीय, रानी खंडेलवाल, इंदु जैन, मीनाक्षी गोयल, शिखा खंडेलवाल एवं अन्य कई महिलाओं ने इस आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

शिक्षा की सुरक्षा, समानता पोषकता से नही, गुणवत्ता से आती है

अजमेर(निसं)। राजस्थान प्राइवेट एज्युकेशन महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश चन्द शर्मा के नेतृत्व में कोर कमेटी की बैठक आयोजित की गई, जिसमें संयोजक हेमेन्द्र बारोटिया, सभाध्यक्ष समन्दर सिंह, जिला संगठन मंत्री आर. के जॉन कश्यप द्वारा सरकारी, निजी स्कूल में समान यूनिफॉर्म लागू करने पर घोर विरोध व्यक्त किया। शिक्षा मंत्री निजी विद्यालय में समान सिलेबस, फीस एक्ट तथा अन्य नियमों को सही तरीके से सरकार लागू नहीं कर पाए तो ऐसी स्थिति में यूनिफॉर्म समान कैसे कर पाऐगें। सरकार शिक्षा को समाप्त करने पर तुली हुई है। ऐसे आदेशो को लागू करने या किसी भी कार्यक्रम में घोषणा करने पर वर्तमान शिक्षा मंत्री को निजी शिक्षण संस्थान और सरकारी संस्था की बैठक में विचार विमर्श करना चाहिए था। उसके बाद सबकी सहमति लेकर घोषणा करनी चाहिए था।

विश्वविद्यालय विभागों की परीक्षाएं एक ही स्थान पर आयोजित होंगी

अजमेर, (कासं)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने विश्वविद्यालय हित में एक महत्त्वपूर्ण निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय परिसर में संचालित सभी शिक्षण विभागों की परीक्षाएं अगले सत्र से अब एक ही स्थान पर आयोजित की जाएंगी। इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता एवं पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ बनाना है। विभागवार परीक्षाओं को एक स्थान पर संचालित करने से न केवल परीक्षाओं की निगरानी और अनुशासन सुनिश्चित होगा, बल्कि इससे परीक्षा आयोजन पर होने वाले अनावश्यक व्यय में भी कमी आएगी। कुलगुरु प्रो. अग्रवाल ने बताया कि यह पहल छात्रों के हित में एक बड़ा कदम है। इससे परीक्षा के दौरान समान परीक्षा वातावरण बनेगा तथा सभी छात्रों को समान सुविधाएं प्राप्त होंगी। साथ ही परीक्षा कार्य से जुड़े समन्वय, पर्यवेक्षण एवं मूल्यांकन कार्यों में भी संबद्ध अधिकारियों को सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की प्रगति में पारदर्शिता, अनुशासन और दक्षता तीनों आवश्यक हैं। इस दिशा में उठाया गया यह कदम 'एकीकृत परीक्षा केंद्र' की अवधारणा को मूर्त रूप देगा और भावी सत्रों के लिए यह व्यवस्था विश्वविद्यालय के परीक्षा प्रबंधन की उत्कृष्ट मिसाल बनेगी।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह

ब्यावर (निसं)। अखिल राजस्थान मेघवंशी (मेघवाल) महासभा संस्था का दीपावली स्नेह मिलन समारोह महासभा के अध्यक्ष जीवनराम मेहरा की अध्यक्षता में गुरूवार को मेघ महल में आयोजित किया जाएगा। जिसमें सभी समाज बन्धुओं, नवयुवकों एवं महासभा की कार्यकारिणी सदस्यों को आमंत्रित किया गया। स्नेह मिलन के साथ 14सितंबर 25 को आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह की समीक्षा की जाऐगी तथा महासभा द्वारा किये जाने वाले आगामी कार्यों की रूप रेखा तय की जाऐगी।

शिक्षा विभाग द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

ब्यावर (निसं) भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर जनजातीय गौरव वर्ष के अंतर्गत जिले में कार्यक्रमों की श्रृंखला 1 नवम्बर से प्रारम्भ हो गई। प्रथम दिवस शिक्षा विभाग द्वारा जनजातीय संस्कृति पर आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया। समस्त महात्मा गांधी विद्यालयों में जनजाति संस्कृति, परम्परा एवं कला विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने जनजातीय जीवन, संस्कृति, परम्पराएँ, कला, प्रकृति, लोक तत्व तथा भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को अपनी कल्पना और रंगों के माध्यम से कैनवास पर उतारा। जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में जनजातीय इतिहास, गौरव एवं समाजिक योगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का उद्देश्य रखा गया। इस प्रतियोगिता में प्राप्त श्रेष्ठ चित्रों का चयन कर उन्हें आगामी जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम में प्रदर्शित किया जाएगा।जिला कलेक्टर कमल राम मीना ने कहा कि जनजातीय गौरव वर्ष के अंतर्गत प्रतिदिन विभागवार गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी तथा सभी कार्यक्रमों का संचालन सुव्यवस्थित, गरिमापूर्ण एवं राज्य सरकार से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

श्री झूलेलाल सामूहिक कन्यादान समारोह

अजमेर (कासं)। सांई बाबा मंदिर अजमेर, ताराचंद हुंदलदास खानचंदानी सेवा संस्था (श्री अमरापुर सेवा घर) सिंधी समाज महासमिति व सिन्धी लेडिज क्लब, मास्टर वासुदेव मंघानी सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित द्वितीय श्री झूलेलाल सामूहिक कन्यादान समारोह आयोजन के 30 दिसम्बर को सांई बाबा मन्दिर गार्डन, अजय नगर, अजमेर में 11 कन्याओं का कन्यादान समारोह होगा। संस्था अध्यक्ष कंवल प्रकाश किशनानी ने बताया की नौ कन्याओं का रजिस्ट्रेशन हो चुका है, इस समरोह में सिंधी समाज के द्वारा आयोजित समारोह में सिंधी समाज के उन युवक-युवतियां के परिजन रजिस्ट्रेशन करा सकते है, जिनकी सगाई हो चुकी हो व अंतिम दिनांक 5 नवंबर तक रजिस्ट्रेशन करवा सकते है। संस्था के महासचिव हरी चंदनानी ने बताया कि पिछली वर्ष इस कन्यादान समारोह में 16 पंडितों ने विधि विधान व संत महात्माओं की उपस्थिति व आर्शीवाद से सम्पन्न कराया था। इस वर्ष भी समाज के भामाशाहों इस कन्यादान समारोह को लेकर भारी उत्साह है।

प्रतिभा सम्मान समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

अजमेर (निसं)। अग्रवाल समाज अजमेर का दीपावली स्नेह मिलन समारोह एंव प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम प्रसिद्ध समाजसेवी श्री गोविंद स्वरूप गर्ग बबायचा वालों के मुख्य आतिथ्य में प्राचीन बाबा रामदेव मन्दिर, सिटी प्राइड के सामने, पुष्कर रोड़ अजमेर में आयोजित किया गया, कार्यक्रम के खास मेहमान के रूप में प्रसिद्ध समाजसेवी एडवोकेट गणेशीलाल अग्रवाल भी मौजूद रहे। अग्रवाल समाज अजमेर के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल व महासचिव सतीश बंसल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री गोविंद स्वरूप गर्ग, उनकी धर्मपत्नी जसोदा गर्ग, एडवोकेट गणेशी लाल अग्रवाल, अग्रवाल समाज अजमेर के मुख्य संरक्षक रमेश चंद अग्रवाल, अशोक पंसारी, हनुमान दयाल बंसल व राधिका अग्रवाल, संस्था अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, महासचिव सतीश बंसल व कोषाध्यक्ष विनोद कुमार अग्रवाल ने श्री अठासेन महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि गोविंद स्वरूप गर्ग, जशोदा गर्ग, एडवोकेट गणेशी लाल अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल आदि अतिथियों का संस्था की और से माल्यार्पण कर व शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। संस्था के पूर्व अध्यक्ष व प्रचार प्रसार प्रभारी शैलेंद्र अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम के तहत समाज के प्रतिभावान बच्चों मांसवी बंसल को संस्था संस्थापक स्वर्गीय के एम गुप्ता की स्मृति में विशेष पुरस्कार दिया गया तथा विपुल बंसल, हर्शीनी अग्रवाल, वैदिक अग्रवाल, मोहित गोयल, प्राशी गर्ग, वैभव अग्रवाल, हर्षिता अग्रवाल, शुभांशी गर्ग, विभा गर्ग, जय अनंत अग्रवाल, प्रिशा गोयल, स्वप्निल गोयल व कशिका अग्रवाल को मुख्य अतिथि गोविंद स्वरूप गर्ग व संस्था पदाधिकारियों द्वारा स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर तथा माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया।

मसूदा नगर पालिका में बदहाल यातायात व्यवस्था, जिम्मेदार बने हुए हैं उदासीन

- **मसूदा ब्यावर स्टेट हाइवें 26 ए, सड़क मार्ग पर दिनभर में पचासों बार लगता है लम्बा जाम, नगर पालिका प्रशासन एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा देख कर भी अनदेखा कर रहे हैं**

मसुदा, (निसं)। इन दिनों यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। यातायात व्यवस्था को लेकर उपखंड प्रशासन ने व्यापारियों को जनप्रतिनिधियों के साथ कई बार बैठक की गई उसके बावजूद भी आज तक उन बैठकों पर अमल नहीं हो पाया पूरे क्षेत्र में हालात इतने बदतर हो गए हैं कि वाहनों को रेंग रेंग कर निकालना पड़ता है।

मसूदा नगर पालिका के मसूदा ब्यावर स्टेट हाइवें 26 ए, सड़क मार्ग पर दिनभर में पचासों बार लगता है लम्बा जाम नगर पालिका प्रशासन एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा देख कर भी अनदेखा कर रहे हैं। लगता है, नगर पालिका प्रशासन, प्रतिनिधि को आम जनता से कोई लेना-देना ही नहीं है। लंबे-लंबे जाम से आमजन को परेशानी उठानी पड़ रही है। नगर पालिका मसूदा ,उपखंड प्रशासन जनप्रतिनिधि एवं पुलिस प्रशासन देख कर भी अनजान बन बैठे हैं।

मसूदा उपखंड अधिकारी, मसूदा तहसीलदार, मसूदा उप पुलिस अधीक्षक मसूदा , मसूदा पुलिस अधिकारी, मसूदा नगर पालिका ईओ एवं स्थानीय विधायक के बावजूद भी यातायात व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है। मसूदा उपखंड मुख्यालय पर यातायात व्यवस्था बेपटरी है पहली बात तो यहां यातायात पुलिस कर्मियों की कमी है इसके चलते हर कोई वाहन चालक मन मनी कर रहा है दूसरी समस्या बेहतर भी इन वाहन दुकानों के बाहर अस्थाई अतिक्रमण की है फिर प्रशासन रोजाना शक्ति भी नहीं बढ़ता रहा है, शिकायत मिलने पर कुछ दिनों कार्रवाई की जाती है तो हालत सुधर जाते हैं बाद में वही ढर्रा शुरू होना आम है। मंगलवार को भी मसूदा में ऐसा ही हुआ पूरे पावर हाउस से शिवमन्दिर तक यातायात जाम के हालात बन रहे जिधर देखो उधर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें नजर आई। इस दौरान कई बार प्रशासन की गाड़ी भी जाम में खड़ी दिखा देती कोई भी अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ कोई ठोस कार्यवाई नहीं करता है। गौरतलब है कि पुलिस कर्मियों की गैर मौजूदगी के चलते मसूदा नगर पालिका की यातायात व्यवस्था बेलगाम है यातायात प्रबंधक की व्यवस्था नहीं होने से वाहन चालक वह थोड़ी संचालक मनमर्जी कर रहे हैं कोई भी किसी की सुनने को तैयार नहीं आड़े तिरछे खड़े वाहन यातायात वैसा मजाक बनकर रह गई है।

अनाधिकृत वाहन दुकानदारों के अस्थाई अतिक्रमण परेशानी का बने हुए हैं। स्थानीय प्रशासन नगर पालिकासहित जनप्रतिनिधि अतिक्रमण के खिलाफ कुछ नहीं कर रहे है कहने को प्रशासन ने सड़क के दोनों ओर लाइनिंग की बात की वह भी बेअसर होती दिखाई दे रही है।

वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा कैंप

अजमेर, (निसं)। भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष के तहत एक से 15 नवम्बर 2025 तक विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त निदेशक फूल सिंह ने बताया कि इन कार्यक्रमों के अन्तर्गत रविवार, 2 नवम्बर को लाभ सन्तृप्ति शिविरों का आयोजन ई-मित्र केंद्रों पर जिला प्रशासन एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से होगा, उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारत एवं राजस्थान सरकार द्वारा बैंकों के माध्यम से संचालित राष्ट्रव्यापी संतृप्ति अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत बैंकिंग कार्यों एवं वित्तीय योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसमें नया प्रधानमंत्री जन धन खाता खोलना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना के अंतर्गत नामांकन करना व निष्क्रिय प्रधानमंत्री जन धन खाता अथवा अन्य बैंक खातों का पुन: सत्यापन कार्य किया जाएगा।

आर्ची पाखरोट के आगमन स्वागत और सम्मान

ब्यावर (निसं)। शहर की बेटी आर्ची पाखरोट कजाकिस्तान में कजाख कुरैशी एशियन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर लौटी। आर्ची पाखरोट के लौटने पर ब्यावर यूथ संगठन ने व एडवोकेट पूर्व सभापति शशि बाला सोलंकी ने माला व साफा पहनाकर सम्मान किया। पाखरोट के दादा व माता जी को भी दुपट्टा पहनाकर कर सम्मान करते हुए शुभकामनाएं दीं। ब्यावर की बेटी ने ब्यावर ही नहीं पूरे भारत का नाम रोशन किया है। युवाओं को खेल के प्रति सदैव आगे रह कर जिलें व देश का नाम रोशन करना चाहिए। स्वागत सम्मान के अवसर पर पूर्व सभापति एडवोकेट शशिबाला सोलंकी, पूर्व भाजपा अध्यक्ष मनीष बुरड़, सुधीर तोमर, लोकेश गोयल, सुनील सिंघल, ब्यावर यूथ संगठन अध्यक्ष ब्रिजेश साहू, रोहित देवड़ा कालु साहू सहित अन्य उपस्थित रहे।

युवा जीवन साधने को थोड़े शब्दों में दिया बड़ा संदेश : कलेक्टर

- **डॉ सोमानी 'हंस' का नया निबंध-संग्रह 'अर्चना के स्वर' लोकार्पित**
- **अजमेर जिला कलेक्टर लोकबंधु ने युवा पाठकों को किया समर्पित**

अजमेर, (निसं)। अमृत सम्मान से सम्मानित, राजस्थानी मायण एवं हिंदी भाषा के वयोवृद्ध साहित्यकार, कवि व लेखक डॉ विनोद सोमानी 'हंस' के नवीन निबंध-संग्रह 'अर्चना के स्वर' का लोकार्पण शुक्रवार को अजमेर जिला कलेक्टर लोक बंधु के कर-कमलों द्वारा किया गया। डॉ हंस के पुत्र, सीए डॉ श्याम कुमार सोमानी ने कलेक्ट्रेट कक्ष में पहुंचकर पुस्तक की प्रति जिला कलेक्टर को सौंपते हुए पाठकों को समर्पित करने का आग्रह किया।

कलेक्टर लोकबंधु ने संग्रह में शामिल 40 निबंधों पर रुझान व्यक्त करते हुए कहा कि यह कृति युवा पीढ़ी को जीवन की दिशा देने वाली है। डॉ हंस ने बहुत सरल भाषा में जीवन के गूढ़ सत्य समझाए हैं। इस संग्रह में लेखक का आजीवन अनुभव झलकता है। यह निबंध बताते हैं कि व्यक्तित्व को कैसे संस्कारित किया जाए, अहं को सरल सत्य से कैसे जीतें और जीवन के अंधकार से प्रकाश की ओर कैसे बढ़ें। युवा पाठकों के लिए यह संग्रह मार्गदर्शक सिद्ध होगा।

साहित्यिक उपलब्धियां : डॉ विनोद सोमानी 'हंस' राजस्थान के उन चुनिंदा साहित्यकारों में शामिल हैं जिन्हें वर्ष 2023-24 में राजस्थान साहित्य अकादमी का अमृत सम्मान प्राप्त हुआ है। अब तक उनकी 42 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें कहानी, कविता-संग्रह, अनुवाद एवं चिंतनात्मक निबंध शामिल हैं। हाल ही में उनका लघु कविता-संग्रह 'महर के मोती' प्रकाशित हुआ था।

नरेंद्र कुमार मीणा ने संभाला अतिरिक्त जिला कलेक्टर का पदभार

अजमेर,(निसं)। राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी नरेंद्र कुमार मीणा ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर का कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण के दौरान उनका स्वागत निवर्तमान अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजेंद्र सिंह राठौड़ ने किया।

नरेंद्र कुमार मीणा इससे पूर्व दौसा में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला प्रमुख परियोजना अधिकारी (माडा) दौसा के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। प्रशासनिक कार्यों के प्रभावी संचालन और योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अजमेर आगमन पर अधिकारियों और कार्मिकों ने मीणा का स्वागत किया और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। नरेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि वे जिले में प्रशासनिक सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने, जनसुनवाई को प्राथमिकता देने तथा विकास कार्यों की गति को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।

राठौड़ ने संभाला सचिव का पदभार : राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी गजेंद्र सिंह राठौड़ ने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सचिव पद का कार्यभार ग्रहण किया। राठौड़ इससे पूर्व अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर के पद पर कार्यरत थे, उन्होंने प्रशासनिक कार्यों में दक्षता, जनसंपर्क में सक्रियता और विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से उल्लेखनीय भूमिका निभाई। राठौड़ ने कहा कि बोर्ड की कार्यप्रणाली को और अधिक पारदर्शी, समयबद्ध एवं परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे, उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता एवं परीक्षा प्रबंधन की विश्वसनीयता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। इस मौके पर बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कार्मिकों ने उनका स्वागत किया।

वरिष्ठ नेता मिश्रा का जन्मदिन मनाया

ब्यावर (निसं)। ब्राह्मण समाज के सेवा भावी, मिलनसार, समाज सेवी तथा कांग्रेस नेता ओम प्रकाश मिश्रा का जन्म दिन गोपाष्टमी के अवसर पर विप्र सेना पदाधिकारियों एवं शुभचिंतकों ने हर्षोल्लास पूर्वक एक सादगी पूर्ण समारोह पूर्वक मनाया गया।इस अवसर पर मिश्रा को विप्र सेना तथा शुभ चिंतकों की ओर से साफ़ा ,माला पहनाकर,दुपट्टे ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर बहुमान किया।सभी ने एक दूसरे का मुंह मीठा करवा कर मिश्रा को जन्म दिवस की बधाई देते हुए उनकी लंबी आयु तथा स्वस्थ जीवन की मनोकामना की। उनके द्वारा समाज तथा पार्टी के लिए अग्रिम पंक्ति में रह कर किए गए।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा सेमिनार का आयोजन

भीलवाड़ा(निसं)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, भीलवाड़ा के द्वारा भारत सरकार द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के उद्देश्यों, लाभों, पात्रता मानदंड और कार्यान्वयन के तौर-तरीकों के बारे में भीलवाड़ा क्षेत्र के कर्मचारी भविष्य निधि संगठन में आवर्त संस्थानों के नियोक्ताओ को योजना के रजिस्ट्रेशन सम्बन्धी महत्वपूर्ण जानकारी देने हेतू 3 नवंबर को 11:30 बजे एक सेमिनार का आयोजन मेवाड़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स, कांफ्रेंस हॉल नागोरी गार्डन, में आयोजित होगी। सेमिनार में मुख्य अतिथि प्रशांत कुमार सिन्हा, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त प्रथम, क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर होंगे।

पुष्कर मेले में विधिक सेवा प्राधिकरण की जागरूकता प्रदर्शनी बनी आकर्षण केंद्र

- **मेलार्थियों को मिल रही है कानूनी अधिकारों और योजनाओं की विस्तृत जानकारी**

अजमेर (निसं)। विश्व प्रसिद्ध पुष्कर मेले में इस बार विधिक सेवा प्राधिकरण, अजमेर की ओर से एक स्टॉल लगाई गई, मेले में आने वाले लोगों को उनके अधिकार, कानूनी अधिकारों व सरकारी विधि योजनाओं के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजमेर के सचिव कृष्ण मुरारी जिंदल (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) के निर्देशन में स्थापित इस स्टॉल का उद्देश्य आम नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों और सरकारी विधिक योजनाओं के बारे में जागरूक करना है। प्राधिकरण के अधिकार मित्र रवि कुमार रेसवाल ने बताया कि इस स्टॉल पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं, स्थायी लोक अदालत, राष्ट्रीय लोक अदालत, तथा महिलाओं और बालकों के कानूनी अधिकार एवं संरक्षण से संबंधित जानकारियाँ दी जा रही हैं।

प्रदर्शनी में आने वाले मेलार्थियों को यह भी बताया जा रहा है कि मुफ्त कानूनी सहायता और सलाह के लिए हेल्पलाइन नंबर 15100 और ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से कोई भी नागरिक आसानी से लाभ प्राप्त कर सकता है। यह विधिक जागरूकता प्रदर्शनी पूरे मेला अवधि तक जारी रहेगी, जिसमें जिला मुख्यालय अजमेर और ताल्लुका विधिक सेवा समिति पुष्कर के अधिकार मित्र सक्रिय रूप से लोगों को जागरूक कर रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और कानूनी सहायता पहुँचाना है, ताकि हर नागरिक अपने अधिकारों को समझें और उनके संरक्षण के लिए सजग बने।

गंगवाल व मनोज सांखला हुए सम्मानित

अजमेर(निसं)। महावीर इंटरनेशनल अजयमेरू केंद्र, अजमेर के लिए गर्व का विषय है कि केंद्र के संरक्षक कमल गंगवाल एवं कोषाध्यक्ष मनोज कुमार सांखला को हाल ही में महावीर इंटरनेशनल रीजन-3 में उपनिदेशक एवं उपनिदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है।

इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में महावीर इंटरनेशनल अजयमेरू केंद्र, अजमेर द्वारा पंचशील नगर में एक गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें दोनों प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। केंद्र चेयरमैन गजेंद्र पंचोली ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह दायित्व इन दोनों को उनकी कार्यकुशलता और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए प्रदान किया गया है। यह न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे महावीर इंटरनेशनल अजयमेरू केंद्र के लिए गर्व का क्षण है।

उन्होंने इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष एन.के. रांका सा, जोन चेयरमैन बाबूलाल जैन तथा पदमचंद जैन के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इन दोनों की प्रतिभा को पहचान कर यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी। सम्मान समारोह में केंद्र सचिव लोकेश जैन सोजतिया ने दोनों पदाधिकारियों को दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया, जबकि अनिल लोढ़ा, विजय जैन पांड्या, संतोष काठेड एवं गजेंद्र पंचोली ने मोतियों की माला पहनाकर अभिनंदन किया। अपने संबोधन में कमल गंगवाल ने कहा कि भले ही अब मैं एपेक्स स्तर पर पहुँच गया हूँ, पर मेरा लगाव और जुड़ाव सदा एम.आई. अजयमेरू से ही रहेगा। वहीं मनोज सांखला ने कहा कि पौधरोपण से भी अधिक महत्वपूर्ण है उन पौधों को जीवित रखना, जिन्हें हम लगाते हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना से हुई और राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर गजेंद्र पंचोली, कमल गंगवाल, मनोज कुमार सांखला, लोकेश जैन सोजतिया, अनिल लोढ़ा, विजय जैन पांड्या, संतोष काठेड़, संतोष पंचोली, पूर्णिमा लोढ़ा, निकिता पंचोली एवं नरेंद्र सिंह सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

अमर शहीद भगत संत कंवर राम का बलिदान दिवस मनाया

- **युवा पीढ़ी को लेनी चाहिए प्रेरणा**

अजमेर (निसं)। झूलेलाल सेवा मंडली झूलेलाल मंदिर वैशाली नगर द्वारा शनिवार को अमर शहीद संत कंवर राम के 85वें शहीदी दिवस पर वैशाली नगर स्थित श्री झूलेलाल मंदिर में भक्तिमय कार्यक्रम के साथ मनाया गया। महासचिव ईश्वरदास जेसवानी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ झूलेलाल मंदिर के अध्यक्ष प्रकाश जेठरा, भारतीय सिंधु सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेन्द्र कुमार तीर्थानी, सिंधी बोली विकास समिति के अध्यक्ष जयप्रकाश मंघाणी द्वारा शहीद संत कंवर राम जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं माल्यार्पण कर किया।

अमर शहीद संत कंवर राम ने अपने जीवन काल में सभी को जोड़कर भाईचारे व एकता का जो परिचय दिया वह मानव प्राणी के लिए कल्याणकारी था ऐसे महान संत की प्रेरणा से समाज में देशभर में विद्यालय धर्मशालाएं व संस्कार केंद्र खोले गए हैं और इनका जीवन परिचय पाठ्यक्रम में भी होने से विद्यार्थियों को अध्ययन करने को मिलता है ऐसे महान पुरुष को सच्ची श्रद्धांजलि यही है कि हमारा आपस में प्रेम भाईचारा आगे बढ़ता रहे ऐसे विचार कार्यक्रम में अतिथियों ने व्यक्त किए। इस अवसर पर मशहूर गायक होतचंद मोरयानी एवं पूनम गीतांजलि द्वारा सिंधी गीत संगीतए भगत व सिंधी कलाम नाले अलख जे बेडो तार मुहींजो,, किय रिझाया तोहखे किय परचाया आदि पेश किए गए इसके साथ ही बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर संत कंवर राम जी के जीवन पर ईश्वरदास जेसवानी द्वारा प्रकाश डाला गया बताया कि यह बाल्यकाल से सेवाभावी थे। कार्यक्रम में रमेश रायसिंघानी, ओमप्रकाश शर्मा, भेरुमल शिवनानी, गोविन्दराम कोडवानी, किशन केवलानी, दिलीप भूरानी, हरीश खटवानी, पुष्पा शिवनानी द्वारा संत कंवर राम जी के चित्र पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि दी गई उसके बाद दीपदान किया व महाआरती की गई।

नाम परिवर्तन

मैने यानि MANOHAR LAL TARANI ने अपना नाम बदलकर MANOHAR TARANI रख लिया है। भविष्य में सभी उद्देश्यार्थ मुझे मेरे नए नाम से जाना व पहचाना जाये।

निवास : FLAT नं. डी-3 SIDDHI VINAYAK APARTMENT AGARSEN NAGAR MADAN-GANJ-KISHANGARH

आम सूचना

मेरी मौसी सावत्री देवी पुत्री बिरदीचंद एवं पत्नी रामाकिशन का स्वर्गवास (ना-औलाद अवस्था) पीहर में दिनांक 10 अक्टूबर 1995 एवं मेरी मौसी प्रेम देवी पुत्री बिरदीचंद एवं पत्नी गोपीलाल का स्वर्गवास (ना-औलाद अवस्था) पीहर में दिनांक 4 मई 2024 को सर्व जाति राव सर्व निवासी भाटो का मोहल्ला दुधिया कुए के पास, सावंतसर, मदनगंज-किशनगढ़ जिला अजमेर पर हो गया, जिनके मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ में आवेदन किया है। इस संबंध में किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो मय दस्तावेज 7 दिवस तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ में संपर्क करे।

- प्रार्थिया-मुन्नी देवी पत्नी रामेश्वर

आम सूचना

मेरी मां लीला देवी पत्नी भैरूसिंह जाति राव निवासी भाटो का मोहल्ला दुधिया कुए के पास, सावंतसर, मदनगंज-किशनगढ़ जिला अजमेर का स्वर्गवास दिनांक 5 जनवरी 2000 को मेरे पीहर स्थित निवास स्थान पर हो गया, जिनका मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ में आवेदन किया है। इस संबंध में किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो मय दस्तावेज 7 दिवस तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ में संपर्क करे।

प्रार्थिया-मुन्नी देवी पत्नी रामेश्वर

आम सूचना

मेरे नानाजी बिरदीचंद पुत्र शंकरलाल का स्वर्गवास दिनांक 01 जनवरी 1980 को एवं मेरी नानीजी रामप्यारी पत्नी बिरदीचंद का स्वर्गवास दिनांक 01 जनवरी 1990 को सर्व जाति राव सर्व निवासी भाटो का मोहल्ला दुधिया कुए के पास, सावंतसर, मदनगंज-किशनगढ़ जिला अजमेर पर हो गया, जिनके मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ में आवेदन किया है। इस संबंध में किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो मय दस्तावेज 7 दिवस तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ में संपर्क करे।

प्रार्थिया-मुन्नी देवी पत्नी रामेश्वर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिए नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, अजमेर संभाग, अजमेर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों का
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
कार्यालय : राजस्थान लोक सेवा आयोग के सामने, कांकरदा भूणाभाय, जयपुर रोड, अजमेर

मुकदमा नम्बरः 182/ अजमेर/2025

चूंकि श्री भंवरलाल अध्यक्ष ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम, 1959 की धारा 17 के अन्तर्गत जन विकास संस्थान तिलोनिया तहसील किशनगढ जिला अजमेर के पंजीयन कराने हेतु प्रन्यास के संबंध में जाँच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।

अतः एवं धारा 18 की उप धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास, जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 60 दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियाँ, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियाँ प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित नीति से निर्णित किया जावेगा तथा जाँच प्रपत्र मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 30/10/25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय की मोहर के अधीन जारी किया गया।

आगामी तारीख पेशी : 5/1/2026

मोहर अदालत

(गिरीश कुमार बचानी)
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

मूल आवंटी / अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों के पक्ष में संयुक्त नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की नौसर योजना के आवासीय/भूखण्ड खसरा संख्या 524,470 क्षेत्रफल 159.79 वर्ग गज के आवंटी/अन्तरिति श्रीमती कमला देवी शर्मा पत्नि स्व. राम स्वरूप त्रिवेदी निवासी 8 अलखनन्दा कॉलोनी M.P.S स्कूल के पिछे अजमेर की मृत्यु दिनांक 17/7/2015 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट संलग्न कर मृतक के वारिसों क्रमश (1) श्रीमती विमला शर्मा (2) श्रीमती मंजु शर्मा पुत्रीय स्व. राम स्वरूप त्रिवेदी (3) अम्बा प्रसाद शर्मा पुत्र ओंकार मल शर्मा (4) मनीष कुमार शर्मा पुत्र अम्बा प्रसाद शर्मा (5) नेहा शर्मा पुत्री अम्बा प्रसाद शर्मा पत्नि सुनिल कुमार गौड (6) दीपक शर्मा पुत्र राधेश्याम, (7) आंचल शर्मा पुत्री दीपक शर्मा निवासी मोती विहार कॉलोनी रामनगर अजमेर द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किती को आपति हो तो सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर आपति प्राधिकर कार्यालय में दर्ज करावे उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपति स्वीकार योग्य नही होती व आवेदक के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ (अजमेर) राज.

क्रमांक: न.प.कि./नामान्तरण/2025/2178 **आम सूचना** दिनांक: 01/11/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि खुशी मार्बल सिटी मदनगंज किशनगढ पर स्थित आवासीय (भूखण्ड संख्या 18 ए क्षेत्र 244.44 वर्गमीटर में से क्षेत्रफल 122.22 वर्गगज) श्रीमती किस्मत कंवर पत्नी श्री योधा सिंह ने आवेदन प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है। उक्त भूखण्ड की सीमाएं निम्नानुसार है -

पूर्व में : 60 फीट चौड़ा रास्ता — पश्चिम में : भूखण्ड संख्या सी 55 व सी 56
उत्तर में : भूखण्ड संस्था सी 17 — दक्षिण में : भूखण्ड संख्या सी 19

अत: उक्त नामान्तरण प्रकरण में किसी भी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपति हो तो सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करे अन्यथा बाद मयाद किसी भी प्रकार की आपति स्वीकार नही होगी।

प्रभारी
नगर परिषद, किशनगढ

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ (अजमेर) राज.

क्रमांक: न.प.कि./नामान्तरण/2025/2180 **आम सूचना** दिनांक: 01/11/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि खुशी मार्बल सिटी मदनगंज किशनगढ पर स्थित आवासीय (भूखण्ड संख्या 18 बी क्षेत्रफल 244.44 वर्गमीटर में से क्षेत्रफल 122.22 वर्गगज) श्रीमती किस्मत कंवर पत्नी श्री योधा सिंह ने आवेदन प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है। उक्त भूखण्ड की सीमाएं निम्नानुसार है :-

पूर्व में - 60 फीट चौडा रास्ता — पश्चिम में : भूखण्ड संख्या सी 56
उत्तर में - भूखण्ड संख्या सी 17 — दक्षिण में : इसी भूखण्ड का शेष भाग

अत: उक्त नामान्तरण प्रकरण में किसी भी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपति हो तो सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करे अन्यथा बाद मयाद किसी भी प्रकार की आपति स्वीकार नही होगी।

प्रभारी
नगर परिषद, किशनगढ़

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक: न.प.कि / कृषिभूमि नियमन /2025/2960 **आम सूचना** दिनांक:31/10/25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद किशनगढ़ में राजस्व ग्राम मदनगंज के खसरा 686 व 961/1 का भूखण्ड संख्या 48 भाग का कुल क्षेत्रफल 155.55 वर्गगज (आवासीय प्रयोजनार्थ) हेतु पट्टा चाहनें हेतु कृषि भूमि नियमन के तहत् आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदित भूखण्ड के नियमन में संबंधित किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपति होतो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित मे आपतियां/मय साक्ष्य / विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें ।

क्र. सं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एवं खसरा नं व क्षेत्रफल	प्रस्तावित कृषि भूमिनियमन
1.	श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री दानोमल निवासी हाउसिंग बोर्ड मदनगंज किशनगढ़	राजस्व ग्राम मदनगंज खसरा खसरा 686 व 961/1, 155.55 वर्गगज	(आवासीय प्रयोजनार्थ) पट्टा चाहने हेतु

आयुक्त नगर परिषद, किशनगढ़।

कार्यालय जिला रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण, अजमेर

ई-मेल आईडी-ajmer.rj-dra@nic.in

क्रमांक: CEA/Path lab/2025 दिनांक:

-सूचना-

आमजन को सूचित किया जाता है कि नैदानिक सथापन के अन्तर्गत पैथलेब के स्थाई रजिस्ट्रीकरण हेतु न्यूनतम मानक की अनुपालना के संबंध में विस्तृत सूचना प्राधिकरण की वेबसाईट www.clinicalestablishments.gov.in पर उपलब्ध है। उक्त पैथलेब के द्वारा न्यूनतम मानक की अनुपालना की सूचना गलत प्रेषित की गई है,के संबंध में यदि किसी व्यक्ति द्वारा आपत्ति प्रेषित की जानी है, तो उसके द्वारा प्राधिकरण की ई-मेल आई.डी. admh-ha-rj@rajasthan.gov.in पर 30 दिवस में मय प्रमाण को सूचित करें।

पैथलेब का नाम- क्षेत्रपाल हॉस्पिटल मल्टी स्पेशिलिटी एंड रिसर्च सेंटर
पता- सेक्टर सी, पंचशील नगर,अजमेर
प्रकार (बुनियादी/मध्यम/उन्नत) :-मध्यम

- (डॉ. ज्योत्सना रंगा)
संयोजक
जिला रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,अजमेर

कार्यालय ग्राम पंचायत हाजीवास, पंचायत समिति रायपुर(ब्यावर)

क्रमांक/ग्रापहा/2025-26/93 **ई-निविदा सूचना 01/2025-26** दिनांक:31-10-25

MLA LAD मद (वित्तीय वर्ष 2025-26) योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत हाजीवास में निम्न कार्य करवाये जाने हेतु ई-टेण्डरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा की तिथियां, समय व अन्य शर्तें एवं निविदा में सम्पादित करवाये जाने वाले कार्यों की राशि एवं अन्य विस्तृत विवरण ग्राम पंचायत मुख्यालय में कार्यालय समय में एवं राज्य लोक उपापन पोर्टल http:\\sppp.rajasthan.gov.in एवं http:\\eproc.rajasthan.gov.in पर अवलोकन की जा सकती है।

निविदा सूचना की क्रम सं.	ऑनलाईन निविदा विक्रय/ डाउनलोड/अपलोड करने की दिनांक व समय	डी.डी. व हार्ड कॉपी जमा करवाने की तिथि व समय	ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि
1 से 2	01.11.2025 (9.00 AM) to 08.11.2025 till (5.00 PM)	10.11.2025 till (12.15 PM)	11.11.2025 from 02.30 pm & onwards

उक्त निविदाओं के यूबीएन कोड निम्न है-
NIB NO- PHS2526A0023
UBN NO-PHS2526WSOB00160

प्रशासक, ग्राम पंचायत हाजीवास
प.स. रायपुर(ब्यावर)

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत हाजीवास प.स. रायपुर(ब्यावर)

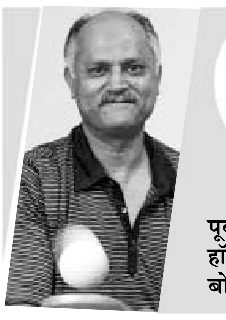

पिछले 100 वर्षों में भारतीय हॉकी ने जो हासिल किया है, वह एक बड़ी उपलब्धि है।
- जफर इकबाल

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, भारतीय हॉकी के 100 वर्ष होने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

सुनिधि चौहान

बॉलीवुड की मशहूर गायिका सुनिधि चौहान रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले महिला क्रिकेट विश्वकप 2025 के फाइनल में अपने हिट गानों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी। डीवाई पाटिल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस समारोह में सर्वाधिक लोकप्रिय गायिका सुनिधि के साथ 60 नर्तकों का एक समूह अपनी प्रस्तुति देगा। प्रसिद्ध कोरियोग्राफर संजय शेट्टी ने नृत्य निर्देशन का जिम्मा संभाला है। लेजर शो और ड्रोन प्रदर्शन भी किए जाएंगे। सुनिधि मैच से पहले भारत का राष्ट्रगान भी गाएंगी।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय महिला टीम 2004 , 2005-06 , 2006 , 2008 में 4 बार एकदिवसीय एशिया कप जीता है।

भारत की नजरें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वापसी करने पर

होबार्ट, 1 नवंबर। होबार्ट की दक्षिणी हवाएं कल निर्णायक मुकाबले की आहट दे रही हैं। सीरीज अपने अंतिम पड़ाव पर है - ऑस्ट्रेलिया 1-0 की मामूली बढ़त बनाए हुए है, भारत बेचैन, घायल है, और जानता है कि इसके आगे कोई कल नहीं है।

तस्मान की रोशनी में एक आखिरी नृत्य, सम्मान और संतुलन बहाल करने का एक आखिरी मौका। बेलेरिव ओवल, अपने मनमोहक आसमान और शाम की तेज हवा के साथ, दो टीमों के बीच न केवल क्रिकेट का मुकाबला देखने को मिलेगा, बल्कि उनके हौसले, जज्बे और शुरुआत से भी ज़्यादा मज़बूती से मैच खत्म करने की इच्छाशक्ति की भी परीक्षा होगी।

ऑस्ट्रेलिया इस तीसरे टी20 मैच में लय और अपने खेल पर नियंत्रण के साथ उतरेगा। पिछले मैच में मिशेल मार्श ने आक्रामकता और संयम का भरपूर इस्तेमाल करते हुए पूरे अधिकार के साथ नेतृत्व किया था। ट्रैविस हेड के साथ, वह एक ऐसी सलामी जोड़ी बनाते हैं जो गति और दबाव का भरपूर लाभ उठाती है। उनके पीछे, जोश इंगलिस, टिम डेविड और मैथ्यू शॉर्ट मध्य क्रम की धड़कन हैं - ये खिलाड़ी सत्रों में नहीं, बल्कि ओवरों में स्टेडियम में आग लगा सकते हैं। जोश हेजलवुड की कमी खलेगी; उनकी जगह सीन एबॉट गेंद संभालेंगे, और उन्हें ज़ेवियर बार्टलेट के साथ शुरुआत में ही लय हासिल करनी होगी। नाथन एलिस मध्यक्रम में नियंत्रण बनाए रखेंगे, और एडम जम्पा की चतुराई एक बार फिर वह खतरा साबित होगी जिससे भारत को निपटना होगा।

मार्कस स्टोइनिस इन कमियों को पूरा करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देंगे, जिससे टीम में गहराई और विकल्प दोनों मिलेंगे। यह एक आत्मविश्वास से भरी ऑस्ट्रेलियाई टीम है, जो अच्छी तरह से प्रशिक्षित है और जानती है कि क्या कारगर है। भारत के लिए, यह जवाबी कार्रवाई की रात है - नेतृत्व और दृढ़ विश्वास की रात। सूर्यकुमार यादव की टीम ने पिछले एक साल में शानदार टी20 रिकॉर्ड बनाया है, लेकिन मेलबर्न ने याद दिलाया कि क्रिकेट की धड़कनें नाज़ुक होती हैं।

अभिषेक शर्मा वहाँ अकेले योद्धा थे, उनकी 68 रन की पारी ढलती शाम में एक उज्ज्वल, बहादुर रोशनी की तरह थी। वह फिर से शुभमन गिल के साथ ऊपरी क्रम में लय बनाने की कोशिश करेंगे, जिनकी टाइमिंग और टच इस तेज पिच पर अहम होंगे। सूर्यकुमार को खुद उस स्पष्टता को हासिल करना होगा जिसने उन्हें इतना आधुनिक चमत्कार बनाया है - सहज, साहसी, और जब वह लय में हों तो अजेय।

संजू सैमसन, तिलक वर्मा और हर्षित राणा मध्यक्रम में ज़िम्मेदारी संभालेंगे, जबकि अक्षर पटेल और शिवम दुबे वह फिनिशिंग गहराई प्रदान करेंगे जिस पर भारत भरोसा करता है।

पिछले मैच में असामान्य रूप से शांत रहे जसप्रीत बुमराह, आग उगलते हुए वापसी करेंगे। मार्श के साथ उनका मुकाबला रात का रुख बदल सकता है। उनके साथ, हर्षित राणा ऊर्जा लेकर आएंगे, जबकि कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती बीच के ओवरों में लय की तलाश करेंगे। उनका नियंत्रण, न कि उनकी बारी, खेल पर भारत की पकड़ तय करेगी।

बेलेरिव ओवल, आकार में छोटा और चरित्र में तीखा, अक्सर साहस को पुरस्कृत करता है। शुरुआत में, तस्मानियाई ठंडे आसमान में गेंद थोड़ा घूम सकती है और स्विंग ले सकती है, लेकिन जैसे-जैसे रात गहराती जाएगी, बल्लेबाज़ों को आज़ादी मिलेगी। पहली पारी कड़ी मेहनत वाली हो सकती है, दूसरी पारी स्ट्रोक्स के लिए।

श्रेयस अय्यर को सिडनी के अस्पताल से छुट्टी मिली

मुंबई, 1 नवंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आज एक बयान में पुष्टि की कि 25 अक्टूबर, 2025 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए एकदिवसीय मैच के दौरान पेट में गंभीर चोट लगने के बाद भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को सिडनी के एक अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। आधिकारिक बयान के अनुसार, श्रेयस अय्यर को 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय पेट में गंभीर चोट लगी थी, जिससे उनकी तिल्ली में चोट लग गई और आंतरिक रक्तस्राव होने लगा। चोट की तुरंत पहचान कर ली गई और एक मामूली प्रक्रिया के बाद रक्तस्राव तुरंत बंद कर दिया गया। बीसीसीआई ने कहा, "इसके लिए उनका उचित चिकित्सा उपचार किया गया है।" बोर्ड ने यह भी बताया कि सिडनी और भारत के विशेषज्ञों के साथ मिलकर बीसीसीआई की मेडिकल टीम अय्यर की प्रगति से संतुष्ट है। बयान में कहा गया, "अब उनकी हालत स्थिर है और वे अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम, सिडनी और भारत के विशेषज्ञों के साथ, उनके स्वास्थ्य में सुधार से खुश हैं और उन्हें आज अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।" बीसीसीआई ने श्रेयस को उनकी चोट का सर्वोत्तम उपचार सुनिश्चित करने के लिए सिडनी में डॉ. कौरौश हाघीगी और उनकी टीम के साथ-साथ भारत में डॉ. दिनशॉ पारदीवाला का आभार व्यक्त किया। आधिकारिक बयान में आगे कहा गया, "श्रेयस आगे की सलाह के लिए सिडनी में ही रहेंगे और उड़ान भरने के लिए फिट पाए जाने पर भारत लौट आएंगे।"

एशिया कप ट्राफी गतिरोध गहराया, बीसीसीआई ने आईसीसी बैठक में मुद्दा उठाने का लिया कड़ा फैसला

नई दिल्ली, 1 नवंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने शनिवार को पुष्टि की कि भारत दुबई में होने वाली अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आगामी बैठक में एशिया कप ट्रॉफी सौंपे जाने का मुद्दा उठाएगा। उन्होंने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) द्वारा दस दिन पहले भेजे गए औपचारिक पत्र के बावजूद कोई प्रतिक्रिया न मिलने का हवाला दिया। भारत ने नकवी, जो पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं, से ट्रॉफी स्वीकार करने से इनकार कर दिया और मैच के बाद की प्रस्तुति में हंगामा मच गया। भारत के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए, एक अधिकारी ने एशिया कप ट्रॉफी को मंच से हटा दिया और बिना कोई स्पष्टीकरण दिए उसे ज़मीन से उठा ले गया।

देवजीत सैकिया ने बताया कि हमने एसीसी से संपर्क किया है और 10 दिन पहले एक पत्र भी भेजा है। कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है। हम उसी रुख पर कायम हैं। इसलिए, हम आईसीसी की बैठक में यह मुद्दा उठाएंगे, जो 4 नवंबर को दुबई में शुरू होगी। ट्रॉफी आएगी, और यह तय है, क्योंकि यह ट्रॉफी भारत ने आसानी से जीत ली है। केवल समयसीमा तय होनी है। उन्होंने आगे कहा, "अगर हमें उनसे ट्रॉफी लेनी होती, तो हम फाइनल वाले दिन ही ले लेते। हमारा रुख साफ़ है: हम उस सज्जन से ट्रॉफी नहीं ले रहे हैं। इसलिए, बीसीसीआई के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। हम एसीसी अध्यक्ष, जो पाकिस्तान के गृह मंत्री हैं, से ट्रॉफी स्वीकार नहीं कर रहे हैं। इसलिए, यह आनी ही चाहिए, लेकिन उनके हाथों से नहीं।"

इस विवाद के बावजूद, भारत ने जश्न मनाने का एक तरीका ढूंढ लिया, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 2024 के टी20 विश्व कप फाइनल के बाद अपने पूर्ववर्ती रोहित शर्मा की धीमी चाल की नकल की और अपने साथियों के साथ काल्पनिक ट्रॉफी उठाई। एशिया कप ट्रॉफी को लेकर गतिरोध तब शुरू हुआ जब भारत ने नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया, जो पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं। दोनों देशों के बीच पाँच विकेट की जीत के बाद सीमा पार तनाव के बीच यह ट्रॉफी भारत के लिए भी महत्वपूर्ण है।

महिला विश्व कप फाइनल : दमदार बल्लेबाजी और घातक स्पिन के साथ ट्रॉफी जीतने को तैयार हरमनप्रीत की सेना

नई दिल्ली, 1 नवंबर। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम इंडिया आठ साल बाद देश का तीसरा आईसीसी महिला विश्व कप मुकाबला खेलने के लिए पूरी तरह तैयार है। दो बार की उपविजेता टीम ने पिछले कुछ वर्षों में अपने खेल के कुछ पहलुओं में बड़े सुधार देखे हैं। क्रिकेट जगत को आखिरकार महिला वनडे क्रिकेट की एक नई विश्व चैंपियन देखने को मिलेगी, जब टीम इंडिया रविवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी, जो पहली बार फाइनल में पहुँची है। टीम इंडिया के मन में इस मैदान पर खेली गई कुछ यादगार यादें होंगी, क्योंकि जेमिमा रोड्रिग्स की शानदार पारी और कप्तान हरमनप्रीत कौर के एक और शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 339 रनों का लक्ष्य हासिल किया था, जो पुरुष और महिला वनडे विश्व कप के नॉकआउट मैचों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ लक्ष्य है।

महिला क्रिकेट में नया युग! वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम को मिलेगी रिकॉर्ड तोड़ प्राइज मनी

नई दिल्ली, 1 नवंबर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर शानदार जीत के साथ फाइनल में पहुँचकर आईसीसी महिला विश्व कप 2025 में अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारत ने 339 रनों के रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत हासिल की, यह एक ऐसी उपलब्धि है जिसे टीम के सफर के निर्णायक क्षणों में से एक के रूप में याद किया जाएगा। इस जीत ने न केवल उन्हें पहली बार विश्व कप फाइनल में पहुँचाया, बल्कि उन्हें लगभग 20 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि भी सुनिश्चित की। और अब, रविवार को मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के साथ होने वाले खिताबी मुकाबले में, हरमनप्रीत और उनकी टीम एक और भी बड़ी जीत की दहलीज पर खड़ी है, जिससे वे ट्रॉफी उठा सकते हैं और अपनी कमाई को दोगुना करके अभूतपूर्व 37.3 करोड़ रुपये तक पहुँचा सकते हैं। 2025 आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप ने इस खेल के लिए, पैमाने और सिद्धांत, दोनों ही दृष्टि से, एक नया मानदंड स्थापित किया है।

रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस को कहा अलविदा

मुम्बई, 1 नवंबर। दो दशक के लंबे करियर के बाद भारत के सर्वश्रेष्ठ युगल टेनिस खिलाड़ियों में से एक रोहन बोपन्ना ने शनिवार को पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लिया। बोपन्ना ने आज सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संन्यास की घोषणा के साथ अपने टेनिस सफर के बारे में लिखा, "जिस चीज ने मेरे जीवन को मायने दिये, उससे विदाई कैसे लूं। 20 अविस्मरणीय वर्षों के बाद अब समय आ गया है कि मैं आधिकारिक तौर पर अपना रैकेट टांग दूं। अपनी सर्व पर पकड़ को मजबूत करने के लिए कूर्ग में लकड़ी काटने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े एरेना की रोशनी में खड़े होना, अविश्वसनीय लगता है। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा। जब भी मैं कोर्ट पर उतरा, मैंने तिरंगे, उस भावना और उस गर्व के लिए खेला।" उन्होंने लिखा, "शायद मैं अब प्रतिस्पर्धा से दूर जा रहा हूं, लेकिन टेनिस के साथ मेरी कहानी खत्म नहीं हुई है। इस खेल ने मुझे सब कुछ दिया है और अब मैं इसे लौटाना चाहता हूं, ताकि छोटे शहरों से आने वाले युवा सपने देखने वाले यह विश्वास कर सकें कि उनकी शुरुआत उनकी सीमाओं को तय नहीं करती।

राजधानी

भजनलाल सरकार का 18 माह का कार्यकाल जनसेवा, सुशासन और विकास का स्वर्णिम अध्याय : राठौड़

कांग्रेस की पहचान भ्रष्टाचार की जननी के रूप में, भाजपा सदैव जनसेवा और पारदर्शिता के मार्ग पर बढ़ा रही है कदम : मदन राठौड़

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने अंता प्रवास के दौरान प्रेसवार्ता को संबोधित किया।

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने शनिवार को अंता प्रवास के दौरान प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के 18 महीनों का कार्यकाल जनसेवा, सुशासन और विकास का स्वर्णिम अध्याय सिद्ध हुआ है। भाजपा सरकार ने गरीब, किसान, महिला और युवा सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए अभूतपूर्व निर्णय लिए हैं तथा महज डेढ़ वर्ष में कार्यकाल में विकास की नई मिसाल कायम की है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नेतृत्व में हुए विकास कार्य आज भी जनस्मृति में हैं। उनके कार्यकाल में भामाशाह योजना, राजश्री योजना, अन्नपूर्णा रसोई योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू की गईं। इसके साथ ही युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम, आई-स्मार्ट केंद्र तथा भामाशाह टेक्नो हब जैसे नवाचार स्थापित किए गए। प्राकृतिक आपदाओं के समय किसानों का हजारों करोड़ रुपए का ऋण माफ कर भाजपा सरकार ने अन्नदाताओं को राहत दी थी। वर्तमान भजनलाल शर्मा सरकार ने गरीबों के हित में कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। सरकार ने खाद्य सुरक्षा योजना में 65 लाख नए पात्र लाभार्थियों को जोड़ा है, लाडो प्रोत्साहन योजना में आर्थिक सहायता राशि बढ़ाने का ऐतिहासिक कार्य किया। अन्नपूर्णा रसोई में भोजन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में सुधार किया गया। 24,976 करोड़ की लागत से 36,140 किमी सड़कों का निर्माण कर ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों को जोड़ा गया। शिक्षा के क्षेत्र में 71 नए महाविद्यालयों की स्थापना की गई तथा 91,000 युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गईं, वहीं 1.5 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रगति पर है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने बताया कि किसानों के लिए राम जलसेतु लिंक परियोजना तथा हरियाणा के साथ यमुना जल उपयोग समझौता राज्य के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। बिजली और कृषि क्षेत्र में अनेक कार्य किए गए हैं। किसान सम्मान निधि में बढ़ोतरी, फसल बीमा क्लेम भुगतान तथा 9 लाख पशुपालकों का पशु बीमा योजना में पंजीकरण इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं। नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में भजनलाल सरकार ने 11 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है।

भाजपा और कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल की तुलना जनता को स्वयं धरातल पर करनी चाहिए। हर क्षेत्र में भाजपा सरकार आगे है। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और सेवा भावना का परिणाम है। भाजपा सरकार का उद्देश्य केवल सत्ता नहीं बल्कि जनसेवा है, और हर निर्णय जनता के कल्याण को समर्पित है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने कहा कि क्षेत्रीय विकास में सांसद दुष्यंत सिंह का योगदान उल्लेखनीय है। उन्होंने अंता, नागदा, बलदेवपुरा, सोनवा व सायगढ़ पेयजल परियोजनाओं के माध्यम से लगभग 150 गांवों में पेयजल संकट का समाधान किया है। शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़कों के क्षेत्र में भी उनका कार्य सराहनीय रहा है, जिसके कारण जनता ने उन्हें लगातार पांचवीं बार लोकसभा में भेजा है। राठौड़ ने कहा कि अंता-मांगरोल क्षेत्र के लिए भाजपा ने मोरपाल सुमन जैसे स्वच्छ और ईमानदार छवि वाले व्यक्ति को प्रत्याशी बनाया है। वहीं कांग्रेस के प्रत्याशी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं और अनेक मुकदमे दर्ज हैं। कांग्रेस का इतिहास भ्रष्टाचार की जननी के रूप में रहा है, जबकि भाजपा सदैव जनसेवा और पारदर्शिता के मार्ग पर चलती रही है।

पूर्ववर्ती गहलोत सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पूरे पांच वर्ष होटलों में कैद रहकर अपनी कुर्सी बचाने में जुटे रहे, जिससे जनता के विकास कार्य ठप हो गए। ईआरसीपी जैसी भागीरथी योजना को रोककर कांग्रेस ने प्रदेश के हितों के साथ अन्याय किया। सत्ता मोह में गहलोत ने अपने ही उपमुख्यमंत्री को नकारा और निक्कमा तक कह डाला, जो उनकी कार्यशैली का प्रतीक है।

पेपर लीक मामले पर बोलते हुए राठौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार ने युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए एसआईटी का गठन किया है, जो रोजाना पेपर माफियाओं को जेल की सलाखों के पीछे भेज रही है। भाजपा जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करते हुए राजस्थान को पुनः शुद्ध शासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के संघ पर प्रतिबंध लगाने वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राठौड़ ने कहा कि खड़गे उसी पार्टी के मुखिया हैं जो सेना के शौर्य पर सवाल उठाती है और सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगती है।

'सहकार से समृद्धि' की संकल्पना को साकार कर रही राज्य सरकार

- 7.34 लाख के निर्धारित लक्ष्य की तुलना में 8.90 लाख से अधिक नए सदस्य बनाये गए
- 1,342 सहकारी समितियों में गोदाम निर्माण के लिए हुआ भूमि का चिन्हीकरण
- 1,706 ग्राम पंचायतों में पैक्स गठन के लिए सर्वे की कार्यवाही पूर्ण
- 'सहकार सदस्यता अभियान' से राज्य में मजबूत हुआ सहकारिता का नेटवर्क

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान 'सहकार से समृद्धि' की संकल्पना को साकार करने में देश के अठाणी राज्यों में शुमार है। राज्य में सहकारिता का नेटवर्क जमीनी स्तर तक मजबूत कर आमजन को अधिक से अधिक संख्या में लाभान्वित करने के निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अक्टूबर माह में आयोजित किया गया 'सहकार सदस्यता अभियान' राज्य में सहकार आंदोलन को नई ऊंचाइयां देने की दिशा में अहम कड़ी साबित हुआ है।

'सहकार सदस्यता अभियान' की अवधि पूर्व में 2 से 15 अक्टूबर तक निर्धारित की गई थी, जिसे आशाजनक परिणामों के फलस्वरूप बाद में 22 अक्टूबर तक बढ़ाया गया। अभियान के अंतर्गत लगभग 8,500 पैक्स के स्तर पर शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप से 5 प्रकार की गतिविधियां आयोजित कर उनमें आशानुरूप परिणाम प्राप्त किये गए। युवाओं एवं महिलाओं को अधिक से अधिक संख्या में सहकारिता से जोड़ना अभियान के अंतर्गत सबसे प्रमुख गतिविधि थी। इस दिशा में बेहतरीन कार्य करते हुए अभियान की अवधि में सहकारी समितियों के 8.90 लाख से अधिक नए सदस्य बनाए गए। यह निर्धारित लक्ष्य 7.34 लाख की तुलना में लगभग 21.25 प्रतिशत अधिक है। अभियान के अंतर्गत जयपुर संभाग में 1.25 लाख नये सदस्य बनाये जाने का लक्ष्य था, जिसकी तुलना में 2.03 लाख सदस्य बनाये गए। उदयपुर संभाग में 1.01 लाख सदस्यों के निर्धारित लक्ष्य की तुलना में 1.30 लाख नये सदस्य बनाये गए। अजमेर संभाग में 1.15 लाख सदस्यों के निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले 1.22 लाख नये सदस्य बनाये गए। जबकि, बीकानेर संभाग में 99 हजार के लक्ष्य की तुलना में 1.19 लाख सदस्य बनाये गए। इसी प्रकार, कोटा संभाग में 53 हजार के लक्ष्य की तुलना में लगभग 68 हजार एवं भरतपुर संभाग में 74 हजार के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 95 हजार नये सदस्य बनाये गए। जोधपुर संभाग में 1.53 लाख नये सदस्य बनाये गए। अभियान अवधि के दौरान पैक्सविहीन ग्राम पंचायतों में नवीन पैक्स गठन की कार्यवाही के तहत 1,706 ग्राम पंचायतों में सर्वे की कार्यवाही पूर्ण की गई। इस दौरान 1,296 पैक्स हेतु जिला स्तरीय कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जबकि, 1275 पैक्स के गठन हेतु प्रस्ताव विभाग को प्राप्त हुए। इस दौरान भूमिविहीन या अपर्याप्त भूमि वाली 1,342 सहकारी समितियों में गोदाम निर्माण हेतु भूमि का चिन्हीकरण किया गया तथा 1,215 सहकारी समितियों द्वारा भूमि आवंटन के लिए आवेदन किया गया।'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लम्बित आवेदनों में से 38 हजार 850 कृषकों की आधार सीडिंग व 27 हजार 640 कृषकों की ई-केवाईसी का कार्य भी पूर्ण किया गया। साथ ही, इस दौरान 11 लाख से अधिक लोगों को प्रस्तावित नवीन सहकारी कानून के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्रदान गई।

'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत बड़ी संख्या में युवाओं एवं महिलाओं के सहकारी समितियों से जुड़ने से राज्य में जमीनी स्तर पर पर सहकारिता का नेटवर्क और अधिक मजबूत हुआ है, जिससे अधिक लोगों तक सुचारू रूप से जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित होगी। पैक्सविहीन ग्राम पंचायतों में नवीन पैक्स के गठन से जमीनी स्तर पर सहकारिता का व्यापक नेटवर्क होगा, जिसका किसानों व ग्रामीणों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। भूमिविहीन समितियों को भूमि आवंटन हो जाने से इन समितियों में गोदाम के निर्माण की राह प्रशस्त होगी, जिससे राज्य की भण्डारण क्षमता में आशातीत वृद्धि होगी। आधार सीडिंग और ई-केवाईसी का कार्य पूर्ण होने से किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना सुचारू रूप से लाभ मिल पाएगा। जबकि, प्रस्तावित नवीन को-ऑपरेटिव कोड के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी आमजन के लिए उपयोगी साबित होगी। अभियान के बाद भी निरन्तर फॉलो अप करते हुए इन कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

1100 सिद्ध श्री महालक्ष्मी यंत्रों की दिव्य यात्रा सम्पन्न

जयपुर। अयोध्या धाम के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में शनिवार को 1100 सिद्ध श्री महालक्ष्मी यंत्रों का पूजन संत अमरनाथ महाराज के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। यंत्रों को सिर पर धारण कर श्रीराम मंदिर की परिक्रमा की गई। मंदिर के गर्भ गृह में राम लला के श्रीचरणों में यंत्रों को स्थापित किए गए। गर्भ गृह में प्रभु श्रीरामजी को हनुमान चालीसा सुनाई गई। विश्व हिंदू परिषद के गोपाल नागरकट्टे और संत अमरनाथ महाराज ने श्रीराम मंदिर स्थित यज्ञशाला में हवन में आहुतियां प्रदान की। पुजारियों ने यंत्रों को श्रीराम मंदिर के गर्भगृह में स्थापित कर विशेष वैदिक विधि-विधान से पूजन किया। श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय को प्रथम सिद्ध श्री महालक्ष्मी यंत्र भेंट किया गया।

पीएम-कुसुम में एक ही दिन में 5 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित

जयपुर। पीएम-कुसुम योजना के कम्पोनेंट-सी के अन्तर्गत जयपुर डिस्कॉम में शुक्रवार को एक ही दिन में 5 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए। कुल 9.28 मेगावाट क्षमता के इन विकेन्द्रित लघु सौर ऊर्जा संयंत्रों के माध्यम से संबंधित 33/11 केवी सब स्टेशन क्षेत्रों में आने वाले 1314 कृषि उपभोक्ताओं को दिन में बिजली मिल सकेगी। उल्लेखनीय है कि कुसुम योजना के कम्पानेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी में जयपुर डिस्कॉम में अब तक कुल 237 मेगावाट क्षमता के 121 प्लांट कार्यशील किए जा चुके हैं। जिनसे 24,208 किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली मिल रही है। सुनेल (झालावाड़) में 4.06 मेगावाट, पीपलू (टोंक) में 0.83 मेगावाट, ब्रह्मबाद (भरतपुर) में 2.29 मेगावाट, राडावास (जयपुर जिला सर्किल उत्तर) में 1.25 मेगावाट तथा देवली (टोंक) में 0.85 मेगावाट प्रदेश के जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण निगमों में कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी में अब तक कुल 2170 मेगावाट क्षमता के 1018 सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं।

श्याम मंदिरों में मनाया खाटूनरेश का पाटोत्सव

जयपुर। देवउठनी एकादशी पर शनिवार को खाटू श्याम जी मंदिर का पाटोत्सव छोटीकाशी में श्याम प्रभु के जन्मोत्सव के रूप में श्रद्धाभाव से मनाया यगा। श्याम मंदिरों में अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई तथा श्याम प्रभु का अलौकिक श्रृंगार कर झांकियां सजाई गई। भजन संध्या में कलाकारों ने भजनों की मधुर अमृतधारा प्रवाहित की।

शांतिकुंज हरिद्वार से प्रशिक्षण लेकर लौटी बेटियां

जयपुर। युग तीर्थ शान्तिकुंज हरिद्वार में आयोजित चार दिवसीय कन्या कौशल प्रशिक्षण शिविर में राजस्थान की 300 की बेटियां प्रशिक्षण लेकर जयपुर लौट आई हैं। इनमें जयपुर से 50 कन्याएं और 30 प्रशिक्षिकाएं शामिल हैं। बेटियों को संबोधित करते हुए गायत्री विद्यापीठ की व्यवस्था मण्डल की प्रमुख शैफाली पण्ड्या ने कहा कि जब इंसान अपनी सोच को घर तक सीमित रखता है, तब समस्याएं भी सीमित रहती हैं और जब वह समाज के प्रति जागरूक होता है, तभी उसकी सोच व्यापक बनती है। उन्होंने कहा कि साठ के दशक में ही आचार्य पं. श्रीराम शर्मा तथा माता भगवती देवी शर्मा ने नारी जागरण आंदोलन की शुरुआत की, तब से नारियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने शिष्टाचार भेंट की।

‘ज़ुबीन की मौत के तथ्य 10 दिसम्बर तक आ सकते हैं’

गुवाहाटी, 01 नवंबर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि गायक ज़ुबीन गर्ग की मौत की जाँच कर रही पुलिस का विशेष जाँच दल (एसआईटी) 10 दिसंबर से पहले आरोपपत्र दाखिल कर सकता है। शर्मा ने आज कहा कि 10 दिसंबर तक सच्चाई सबके सामने आ जाएगी। सिंगापुर में ज़ुबीन गर्ग की रहस्यमयी मौत की जाँच के लिए इस साल की शुरुआत में गठित एसआईटी फोरेंसिक और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की जाँच के अंतिम चरण में है। जाँच सही दिशा में आगे बढ़ रही है और उन्हें शत-प्रतिशत न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा, ''अगर मैं कोई काम हाथ में लेता हूँ, तो मैं यह सुनिश्चित करता हूँ कि वह तार्किक निष्कर्ष तक पहुँचे। जाँच सही दिशा में आगे बढ़ रही है। हमारे पास ठोस सबूत हैं। एसआईटी और असम पुलिस इस मामले में न्याय सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, “हम 10 दिसंबर तक लोगों के सामने तथ्य प्रस्तुत करने की योजना बना रहे हैं, हालाँकि 17 दिसंबर अंतिम समय सीमा है, मुझे विश्वास है कि हम 10 दिसंबर तक ही तैयार हो जाएँगे।

राजस्थान ने 11 राष्ट्रीय कार्यक्रमों में देश में प्रथम स्थान हासिल किया

मुख्यमंत्री भजनलाल सरकार की 2024-25 की उपलब्धियों ने रिकॉर्ड तोड़ा

- **योग दिवस, अंग दान-अंग प्रत्यारोपण, मातृ वंदना योजना, आंगनबाड़ी गतिविधियों, फसल बीमा, स्वच्छता, अक्षय एवं सौर ऊर्जा में राजस्थान का प्रदर्शन पूरे देश में सर्वोत्तम था तथा इसकी केन्द्र ने प्रशंसा भी की।**

जयपुर, 1 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जनकल्याणकारी नीतियों एवं योजनाओं के धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप वर्ष 2024-25 के दौरान प्रदेश 11 राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं योजनाओं में पहला स्थान प्राप्त करने के साथ ही विभिन्न योजनाओं में देश के शीर्ष राज्यों में शामिल रहा।

शर्मा के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के आयोजन में राजस्थान पूरे देश में शीर्ष स्थान पर रहा। केन्द्र सरकार के आयुष मंत्रालय के ‘योगा संगम पोर्टल’ के अनुसार 62 हजार 915 स्थलों पर 85 लाख 31 हजार 185 प्रतिभागियों के साथ पूरे भारत में राज्य प्रथम स्थान पर रहा। वहीं, अंगदान को बढ़ावा देने तथा अंग व प्रत्यारोपण में उभरते हुए राज्य के रूप में राजस्थान को वर्ष 2025 के लिए प्रथम स्थान के साथ राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है।

सितम्बर 2025 में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की जारी रैंकिंग में पहले स्थान के साथ ही पोषण पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आयोजित गतिविधियों में राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश शीर्ष पर रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (खरीफ 2025) के तहत 2.18 करोड़ पॉलिसियां जारी कर राजस्थान देश में प्रथम है। साथ ही, अक्षय एवं सौर ऊर्जा क्षमता स्थापना में राजस्थान पीएम कुसुम योजना कंपोनेंट-ए में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान पर रहा है।

वर्ष 2024 के लिए पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित फिट इंडिया फ्रीडम रन एवं विकसित भारत संकल्प यात्रा में राजस्थान देशभर में प्रथम स्थान पर रहा। राज्य ने कृषि विभाग में सरकारी प्रक्रियाओं में डिजिटल परिवर्तन हेतु राष्ट्रीय ई-गवर्नेन्स रजत पुरस्कार (द्वितीय स्थान) भी हासिल किया है।

प्रदेश ने पीएम-कुसुम योजना के कंपोनेंट-बी एवं कंपोनेंट-सी एफएलएस के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान पर है। वहीं, वर्ष 2024 के लिए टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के अंतर्गत टीबी मुक्त पंचायतें घोषित करने एवं अभियान के दौरान 100 दिवसीय कैम्पेन में एसीएसएम गतिविधियों के लिए देश में तृतीय स्थान पर रहा।

इसके अलावा तंबाकू फ्री यूथ कैम्पेन 2.0 के अंतर्गत बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट एवं नेशनल प्रोग्राम फोर पेलिएटिव केयर में उत्कृष्ट योगदान के लिए तृतीय स्थान पर है। साथ ही आयुष्मान भारत (पीएम-जेएवाई) क्लेम सेटलमेंट एवं हॉस्पिटल एम्पैनलमेंट में वर्ष 2024-25 में भी देशभर में तीसरे स्थान पर रहा।

डंपर ने लोडिंग टैक्सी को टक्कर मारी, चार की मौत, 11 घायल

हादसा फलौदी जिले के एनएच-11 पर एक रैस्टोरैंट के सामने हुआ

- **लोडिंग टैक्सी में मजदूर सवार थे, जो मध्य प्रदेश से आए थे। हादसे में लोडिंग टैक्सी ड्राइवर और तीन श्रमिकों की मौत हो गई तथा 11 घायलों में 6 महिला श्रमिक व तीन बच्चे हैं।**

जोधपुर, 1, नवंबर (कासं)। निकटवर्ती फलोदी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 11 पर एक रेस्टोरेंट के सामने शुक्रवार की देर रात सड़क किनारे खड़ी मजदूरों से भरी लोडिंग टैक्सी को किसी डंपर के चालक ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में तीन श्रमिकों की दर्दनाक मौत हो गई, साथ ही लोडिंग टैक्सी चालक की भी मौत हो गई। ग्यारह अन्य श्रमिक घायल हो गए, जिन्हें देर रात फलोदी चिकित्सालय ले जाया गया। सात घायलों को जोधपुर रैफर किया गया। हादसे में घायल छह महिला मजदूरों के साथ तीन बच्चे भी हैं।

फलोदी पुलिस के अनुसार एनएच-11 पर देर रात मजदूरों से भरी लोडिंग टैक्सी सड़क किनारे खड़ी थी। तब पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने नियंत्रण खो दिया और सीधे टैक्सी में जा घुसा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और कई लोग उसमें फंस गए। हादसे की जानकारी मिलने पर फलोदी पुलिस एवं108 एम्बुलेंसकर्मी मौके पर पहुंचे। राहगीरों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकाल कर फलोदी के जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीन की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जोधपुर रैफर कर दिया। सूत्रों के अनुसार सभी घायल मध्य प्रदेश के निवासी बताए जा रहे हैं, जो जोधपुर जिले में आसपास के खेतों में मजदूरी करने आए हुए थे।

देश का पहला ट्राइबल म्युज़ियम शुरू

रायपुर, 01 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर यहां देश के पहले डिजिटल जनजातीय संग्रहालय शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का लोकार्पण किया।

मोदी ने नवा रायपुर के सेक्टर-24 में लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस संग्रहालय का उद्घाटन किया।

- **प्र.मंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस पर छत्तीसगढ़ में बने इस म्युज़ियम का लोकार्पण किया।**

यह संग्रहालय उन महान आदिवासी नायकों को समर्पित है, जिन्होंने अंग्रेज़ी शासन के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि यह संग्रहालय न केवल इतिहास का दर्पण है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा। संग्रहालय में छत्तीसगढ़ के प्रमुख जनजातीय आंदोलनों, हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भूमकाल आंदोलन, सोनाखान विद्रोह, झंडा सत्याग्रह और जंगल सत्याग्रह की प्रेरक झलकियों को 14 अलग-अलग सेक्टरों में प्रस्तुत किया गया है।

‘एनडीए कहता है एक करोड़ रोजगार देंगे, पर 20 साल से रोजगार क्यों नहीं दिया’

प्रियंका गांधी ने बेगुसराय के बछवाड़ा में एक जनसभा में एनडीए सरकार पर बेरोजगारी, गरीबी व पलायन बढ़ाने का आरोप लगाया

- **प्रियंका ने कहा, बेरोजगारी इस कदर है कि केरल से लेकर कश्मीर तक बिहार के युवा मजदूरी करने को मजबूर हैं।**
- **मतदाता सूची से 65 लाख नाम काटने को प्रियंका ने बड़ी साजिश बताते हुए कहा कि लोगों को उनके अधिकार से वंचित किया जा रहा है।**

बेगूसराय, 01 नवंबर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को बिहार में बेगूसराय जिले के बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुये एनडीए सरकार पर तीखा प्रहार किया और कहा कि, ‘पिछले 20 सालों से सत्ता में बैठी सरकार ने बिहार की जनता को सिर्फ गरीबी, बेरोजगारी और पलायन दिया है।‘

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि अब बिहार की जनता को सोच- समझकर अपने भविष्य का फैसला करना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार जनता को बरगलाने और भविष्य- अतीत की बातों में उलझाने का काम कर रही है, लेकिन जनता के संघर्षशील वर्तमान की चर्चा नहीं करती।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने यहीं से संविधान के लिये लड़ाई शुरू की थी, लेकिन आज उसी संविधान को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। बिहार में 20 साल से राजग की सरकार है, जिसने जनता को कमजोर करने और जाति- धर्म के नाम पर बांटने की साजिश की है। उन्होंने मतदाता सूची से 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने का मुद्दा उठाते हुये कहा कि यह एक बड़ी साजिश है, जिससे लोगों को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। कांग्रेस महासचिव श्रीमती गांधी ने बेरोजगारी और पलायन को लेकर कहा कि बिहार के युवा रोजगार के अभाव में केरल से लेकर कश्मीर तक मजदूरी करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि खेती- किसानी से भी अब आमदनी नहीं हो पा रही है, महंगाई चरम पर है और सरकार देश की संपत्ति निजी हाथों में बेच रही है।

उन्होंने राज्य में सत्तारुढ़ एनडीए सरकार पर हमला करते हुये कहा कि, ‘राजग सरकार के नेता कहते हैं कि हम एक करोड़ रोजगार देंगे, लेकिन यह नहीं बताते कि 20 साल में रोजगार क्यों नहीं दिया गया?’

कांग्रेस नेता ने महिलाओं की स्थिति पर चिंता जताते हुये कहा कि बिहार में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े हैं और सरकार ने उनके लिये कोई ठोस कदम नहीं उठाये हैं। उन्होंने कहा कि यहां बहन- बेटियां आज भी असुरक्षित महसूस करती हैं।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘डबल इंजन सरकार’ के दावे पर कटाक्ष करते हुये कहा कि, ‘यह सिंगल इंजन सरकार है, क्योंकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कोई नहीं सुनता। सारे फैसले दिल्ली से लिये जाते हैं और उन्हें सम्मान नहीं दिया जा रहा।‘

सभा के अंत में प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिहार की जनता से महागठबंधन के प्रत्याशियों को समर्थन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की सरकार बनने पर हर परिवार के एक सदस्य को रोजगार, 200 यूनिट मुफ्त बिजली और भ्रष्टाचार- मुक्त शासन मिलेगा। अब बिहार को बदलाव की जरूरत है। आपको भटकाना नहीं है, बल्कि बिहार को नई दिशा देनी है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के भाषण के दौरान सभा स्थल पर भारी भीड़ उमड़ी थी और इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बदलाव लाना है, प्रियंका को लाना है और महागठबंधन ज़िंदाबाद के नारे जमकर लगाये।

सबसे भारी संचार उपग्रह के लॉन्चिंग की उल्टी गिनती शुरू

श्रीहरिकोटा, 01 नवंबर। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि 4,000 किलोग्राम से ज़्यादा वज़नी संचार उपग्रह सीएमएस-03 के प्रक्षेपण के लिए 24 घंटे की उल्टी गिनती शनिवार को शुरू हो गई। अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि लगभग 4,410 किलोग्राम वज़नी यह उपग्रह भारतीय धरती से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में प्रक्षेपित होने वाला सबसे भारी उपग्रह होगा। यह अंतरिक्ष यान एलवीएम3-एम5 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसे इसकी भारी भारोत्तोलन क्षमता के लिए बाहुबली नाम दिया गया है। इसरो ने शनिवार को बताया कि प्रक्षेपण यान को पूरी तरह से असेंबल और अंतरिक्ष यान के साथ एकीकृत कर दिया गया है और इसे प्रक्षेपण-पूर्व कार्यों के लिए यहां दूसरे लॉन्च पैड पर ले जाया गया है।

- **यह अंतरिक्ष यान एलवीएम3-एम5 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसे इसकी भारी भारोत्तोलन क्षमता के लिए बाहुबली नाम दिया गया है।**

कैनडा के प्र.मं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुराने रेडियो संबोधन का अंश इस्तेमाल किया गया था। इसमें रीगन को टैरिफ नीतियों की आलोचना करते हुए सुना जा सकता है। विज्ञापन का उद्देश्य यह दिखाना था कि अमेरिकी टैरिफ न केवल अनुचित हैं बल्कि कनाडाई अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदेह भी हैं।

हालांकि, इस एड को देखते ही डोनाल्ड ट्रंप नाराज हो गए। उनका कहना था कि इस विज्ञापन ने रीगन के असली बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश किया है जिससे ऐसा लगा जैसे वे टैरिफ के खिलाफ थे। ट्रंप ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि मार्क कार्नी ने उनसे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और इस विज्ञापन के लिए माफी मांगी।

ट्रंप ने कहा कि मार्क कार्नी बहुत अच्छे व्यक्ति हैं। उन्होंने माफी मांगी क्योंकि वह विज्ञापन फर्जी था। उसमें रीगन के असली शब्दों को गलत तरीके से दिखाया गया था। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए था और मैं उनकी ईमानदारी की सराहना करता हूं। यह पूरा मामला तब और दिलचस्प हो गया जब दोनों नेताओं की मुलाकात एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन समिट के दौरान बुधवार को हुई। बताया जाता है कि यह विज्ञापन टोरंटो ब्लू जेज और लॉस एंजेलिस डॉजर्स के बीच हुए वर्ल्ड सीरीज मैच के दौरान प्रसारित हुआ था जिससे लाखों लोगों ने इसे देखा।

स्वस्थ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शक्ति के जीवन पर परिवर्तनकारी प्रभाव डालते हैं। गौरतलब है कि स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत स्वास्थ्य देखभाल और ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग के लिए रिकॉर्ड पंजीकरण के साथ तीन नये गिनीज रिकॉर्ड बने हैं।

‘2005 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बिहार विधानसभा के 243 सदस्य 6 और 11 नवम्बर को दो चरणों में मतदान करेंगे, और मतगणना 14 नवम्बर को होगी।

प्रशांत किशोर की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का उभरना उन क्षेत्रों में खास चिंता का विषय है, जहां पहले भी चुनावी अंतर बहुत कम रहा है। पार्टी रणनीतिकारों को डर है कि युवाओं, पिछड़ी जातियों और महत्वाकांक्षी ग्रामीण मतदाताओं जैसे मुख्य वोट समूहों में बंटवारा, विपक्ष को फायदा पहुँचा सकता है या फिर विधानसभा में त्रिशंकु स्थिति पैदा कर सकता है। हालांकि, एनडीए अपने मज़बूत संगठन पर भरोसा जताता है, लेकिन उसके भीतर भी यह स्वीकार किया जा रहा है कि किशोर का अभियान बेरोजगारी, पलायन और क़ानून-व्यवस्था जैसी समस्याओं से जूझ रहे इलाकों में लोगों के दिलों को छू गया है।

किशोर का चुनाव से पहले किसी भी गठबंधन से नहीं जुड़ना इस अटकल को और बढ़ा रहा है कि खंडित जनादेश की स्थिति में वे “किंगमेकर”, की भूमिका निभा सकते हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि किशोर की सबसे बड़ी ताकत निर्णय लेने का उनका अप्रत्याशित तरीका है, चाहे वह मतदाताओं को जुटाने के तरीके में हो या चुनाव बाद के फैसलों में।

जैसे-जैसे बिहार एक बेहद कड़ी चुनावी जंग की तैयारी कर रहा है, प्रशांत किशोर सिर्फ एक चुनौतीकर्ता के रूप में नहीं, बल्कि राज्य की राजनीति का स्वरूप बदलने वाले एक उत्प्रेरक (कैटलिस्ट) के रूप में उभर रहे हैं। जनता के बीच अपनी पकड़ को चुनावी सफलता में बदलने की उनकी क्षमता ही यह तय करेगी कि अगले बिहार विधानसभा में सत्ता का संतुलन किसके पक्ष में झुकेगा।

इंदौर में गोडाउन में आग, दो महिलाएं जिंदा जली

- **दोनों महिलाएं इस कैमिकल गोडाउन में काम करती थीं**
- **बताया जाता है कि देव उठनी एकादशी पर दोनों महिलाएं गोडाउन में दिया जला रही थीं, तब यह हादसा हुआ।**

इंदौर, 01 नवंबर। इंदौर के केट रोड के एक केमिकल गोडाउन में आग लग गई। जिस वक्त आग लगी, उस वक्त फैक्टरी में कुछ कर्मचारी के फंसे होने की शंका जताई गई थी। आग लगने की वजह दवे उठनी एकादशी पर गोडाउन में जलाया गया दीपक बना है। महिलाएं दीपक जला रही थीं, तभी उनकी साड़ी में आग लग गई। वे बाहर नहीं निकल पाईं। उनके साथ कुछ बच्चे भी थे। वे बाहर भागे और आग लगने की जानकारी दी।

आग पर काबू पाए जाने के बाद जब फायरब्रिगेड कर्मी गोडाउन के भीतर पहुंचे, तो उन्हें दो महिलाएं जली अवस्था में मिली। दोनों गोडाउन की कर्मचारी थी। गोडाउन में अन्य कर्मचारियों के फंसे होने की आशंका जताई गई है। इसके चलते तलाश की जा रही है। आग पर दो घंटे के बाद काबू पाया जा सका। केमिकल गोडाउन के आगे के हिस्से में शाम को लोगों ने धुंआ उठते देखा।

गोडाउन में केमिकल था और बड़ी संख्या में कच्चा माल भी रखा हुआ था। इस कारण आग तेजी से फैली। कुछ ही देर में आग ने गोडाउन के अन्य हिस्सों को अपने चपेट में ले लिया।

लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकलों के पहुंचने तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। आग बुझाने के लिए पांच टैंकरों से ज्यादा पानी व फोम का उपयोग किया गया, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। मृतक महिला का नाम सागर निवासी रामकली अहिरवार है। वह दो माह पहले रंगवासा में रहने आई थी। दूसरी महिला का नाम ज्योति पिता मनोज है। दोनों के शव अस्पताल पहुंचाए गए। पुलिस अफसरों ने कहा कि यदि इसमें किसी की लापरवाही पाई गई तो केस भी दर्ज किया जाएगा।

रेगिस्तान में सेना ने “एन्टी ड्रोन” अभ्यास किया

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान द्वारा ड्रोन का ज्यादा इस्तेमाल करने के कारण यह अभ्यास किया गया है

- **सैन्य अधिकारियों ने कहा रेगिस्तानी इलाका और मौसम की स्थिति ड्रोन रोधी अभ्यास के लिए आदर्श टैस्टिंग ग्राउण्ड है।**

नई दिल्ली, 01 नवंबर। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान द्वारा बड़ी संख्या में ड्रोन का इस्तेमाल किये जाने के बाद इस तरह के हमलों से निपटने की तैयारी के तहत भारतीय सेना ने रेगिस्तानी इलाके में अग्रिम क्षेत्र में बड़े पैमाने पर ड्रोन और ड्रोन रोधी अभ्यास, वायु समन्वय-दो, सफलतापूर्वक किया है।

सेना के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि रेगिस्तानी इलाका और मौसम की स्थिति दोनों तरह के अभियानों के लिए एक आदर्श टेस्टिंग ग्राउंड साबित हुई।

दो दिन का यह अभ्यास दक्षिणी कमान की देखरेख में पिछले सप्ताह 28 और 29 अक्टूबर के बीच हुआ। इस अभ्यास को विभिन्न हवाई और जमीनी प्लेटफार्म के साथ वास्तविक, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और एक प्रतिस्पर्धी संचालन वातावरण में मल्टी डोमेन कमान और नियंत्रण केंद्रों के विलय के साथ अगली पीढ़ी के युद्ध के लिए सेना की तैयारी के लिए डिज़ाइन किया गया था।

दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने अभ्यास की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यहां सीखे गए सबक सीधे क्षमता विकास और ड्रोन और ड्रोन रोधी प्रणाली को मजबूती प्रदान करने में योगदान देंगे।

यह अभ्यास मल्टी डोमेन वातावरण में आधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए सेना के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एक बयान में कहा गया है, “सेना अपनी परिचालन क्षमता को आधुनिक बनाने, नवाचार को बढ़ावा देने और सभी डोमेन में उभरते खतरों का मुकाबला करने के लिए तत्परता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।”

इस अभ्यास ने सैनिकों को एक परिचालन वातावरण के तहत स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के साथ प्रयोग करने में भी सक्षम बनाया। इसने ड्रोन और काउंटर ड्रोन संचालन के लिए सैद्धांतिक सिद्धांतों को विकसित करने और परीक्षण करने पर ध्यान केंद्रित किया, जिससे हवाई खतरों के खिलाफ सेना की जवाबी कार्रवाई की क्षमता मजबूत हुई।

‘जन सुराज पार्टी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महागठबंधन या एनडीए के अलावा कोई विकल्प नहीं है। धारणा एक बात है, जबकि तथ्य कुछ और हैं। आंकड़े बताते हैं कि बिहार में 1/3 लोग न तो महागठबंधन को वोट देना चाहते हैं और न ही एनडीए को। मुझे विश्वास है कि जन सुराज कम से कम 160-170 सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबले का हिस्सा बनेगा।”

यह पूछे जाने पर कि क्या वह चुनाव परिणामों के बाद अन्य पार्टियों से गठबंधन करेंगे अगर जन सुराज चुनाव में अहम भूमिका निभाता है, तो उन्होंने कहा, “हम इस तरफ या उस तरफ की राजनीति नहीं करते। अगर लोग हमें जनादेश नहीं देते हैं, तो हम अपना काम जारी रखेंगे।

मैं इसे लिखित में दे सकता हूं, न चुनाव से पहले कोई गठबंधन, न चुनाव के बाद।” इस पर, एनडीटीवी के संपादक-इन-चीफ राहुल कंवल ने किशोर से पूछा कि क्या वह वास्तव में “लिखित में देंगे”, यह एक ऐसा शब्द है जिसे चुनाव रणनीतिकार अक्सर साक्षात्कारों में भविष्यवाणियाँ करते वक्त इस्तेमाल करते हैं।

फिर उनसे पूछा गया कि क्या वह एक गठबंधन पर विचार करेंगे, यदि खंडित जनादेश या त्रिशंकु विधानसभा का संकेत मिले। उन्होंने कहा, “अगर ऐसी स्थिति आती है जहां बिना हमारे बिना सरकार नहीं बन सकती, तो मुझे पता है लोग पाला बदल लेंगे। मैं उन्हें रोक नहीं पाऊंगा।” किशोर ने इसका दोष “लक्ष्मी (पैसा) के लोभ और (केन्द्रीय एजेंसी) के डर” पर डाला

उन्होंने कहा, कल्पना करें, अगर जन सुराज के 30 विधायक हैं और ये 30 सरकार बनाने के लिए अहम हैं, तो क्या ये विधायक मेरी सुनेंगे? लेकिन मैं यह कह सकता हूं कि मैं फिर भी ईमानदार रहूंगा,।”

अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, “अमित शाह से भी लिखवा लें कि अगर एनडीए बहुमत से कम रहता है, तो कोई विधायक नहीं खरीदा जाएगा। आप मुझसे पूछ रहे हैं कि हम नहीं बिकेंगे, तो आप उन लोगों से पूछिए जो खरीदेंगे।”

पहले, किशोर से उनके चुनावी रणनीतिकार के रूप में अनुभव और यह कैसे अलग है, पूछा गया कि दूसरों को चुनाव लड़ाने के मुकाबले खुद चुनाव लड़ना कैसा होता है। उन्होंने कहा, “यहां भी मैं दूसरों को चुनाव लड़वा रहा हूँ। फर्क बस इतना है कि मैंने इसके लिए एक नई संरचना बनाई है। पहले मैं तैयार संरचनाओं के साथ काम करता था।”

आरएसएस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहले भी प्रतिबंध लगाने के प्रयासों को अदालतों ने गलत ठहराया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ऐसे बयान देने से पहले अपने पिछले अनुभवों से सीखना चाहिए। मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर सीधा जवाब देते हुए दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि कांग्रेस पहले भी तीन बार संघ पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश कर चुकी है, लेकिन हर बार असफल रही।उन्होंने आगे कहा कि जब भी संघ पर प्रतिबंध लगाया गया, अदालतों ने उसे गलत साबित किया। ऐसे में जो नेता इस तरह की बातें कर रहे हैं, उन्हें यह सोचना चाहिए कि समाज किस दिशा में जा रहा है। सर कार्यवाह ने बताया कि कार्यकारी बैठक में देश में बढ़ते धर्मांतरण के मुद्दे पर भी गहन चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण रोकना और ‘घर वापसी’ को प्रोत्साहित करना अब आवश्यक हो गया है।

सज्जनगढ़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर बाघ का अंतिम संस्कार किया गया। मेडिकल बोर्ड में डॉ. महेन्द्र मेहता, डॉ. करमेन्द्र प्रताप सिंह एवं डॉ. हिमांशू व्यास शामिल थे। मृत बाघ कुमार ने 18 वर्ष 4 माह की उम्र पूरी की।

आँध्र की काकुलम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वे घटनास्थल का दौरा करें और राहत कार्यों का निरीक्षण करें।”

इस घटना पर पीएम मोदी ने भी दुख व्यक्त किया है। पीएमओ की तरफ से एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया, ''आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई भगदड़ से बहुत दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द स्वस्थ हों। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी”

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस घटना पर संवेदना व्यक्त की। एक्स पर एक पोस्ट के मुताबिक राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने लिखा,''आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई दुखद घटना में हुई जान-माल की हानि के बारे में जानकर स्तब्ध हूं। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करतीहूंऔर घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।”

आंध्र प्रदेश के कृषि मंत्री के. अत्चन्नायडू ने मीडिया को बताया कि नवनिर्मित वेंकटेश्वर मंदिर में हज़ारों श्रद्धालु उमड़े थे। मंदिर प्रबंधन कथित तौर पर भीड़ नियंत्रण के पर्याप्त प्रबंध करने में विफल रहा। गंभीर रूप से घायल लोगों को श्रीकाकुलम के रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मंत्री ने कहा, ''यह मंदिर क्षेत्र में ज़्यादा प्रसिद्ध नहीं था, लेकिन आज अप्रत्याशित रूप से 20,000 से ज़्यादा श्रद्धालु पहुँच गए। मंदिर के न्यासियों ने अधिकारियों को अपेक्षित भीड़ के बारे में सूचित नहीं किया।”

जानकारी के अनुसार, श्री वेंकटेश्वर मंदिर 12 एकड़ भूमि पर करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। करीब 20 एकड़ ज़मीन पर भक्त हरि मुकुमा पांडा द्वारा निर्मित इस मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा इसी साल मई में की गई थी।

नीरजा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संयुक्त अभिभावक संघ राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष अरविंद अठावाल ने कहा कि टीचर की प्रताड़ना से आहत होकर छात्रा ने खुदकुशी की। जहां से बच्ची ने छलांग लगाई, उस जगह से सबूत मिटाए गए हैं, जो गंभीर सवाल खडे करते हैं। स्कूल और प्रशासन के रुख से लग रहा है कि घटना को दबाने और पेरेंट्स पर दोषारोपण करने की कोशिश की जा रही है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908